Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 11
अंक : 51
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 एनसीपी को राष्ट्रीय दर्जा दिला पाएंगी सुनेत्रा?... 4 सुंदरता का दार्शनिक विश्लेषण और पैमाना,... 7 हॉन्गकॉन्ग टी20 सीरीज के लिए कुवैत ने...

संक्षिप्त न्यूज

वायनाड में भूस्खलन पीड़ितों के लिए राहुल ने 100 घरों की रखी नींव रखी, कहा- परिवार बनकर साथ खड़े

तिरुवनंतपुरम। केरल के वायनाड में 2024 की भूस्खलन त्रासदी से प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को 100 मकानों के निर्माण की आधारशिला रखी। यह पहल उन लोगों के लिए शुरू की गई है जिन्होंने प्राकृतिक आपदा में अपने घर, जमीन और परिजनों तक को खो दिया था। कार्यक्रम के जरिए पीड़ितों को भरोसा दिलाया गया कि पुनर्निर्माण की लड़ाई में उन्हें अकेला नहीं छोड़ा जाएगा।
राहुल गांधी ने मुंडक्कई और चूरलमाला इलाके के भूस्खलन प्रभावित परिवारों से मुलाकात करते हुए कहा कि यह सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं है बल्कि लंबे समय तक साथ निभाने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि वायनाड उनके लिए परिवार जैसा है और जरूरत पड़ने पर कांग्रेस लगातार लोगों के साथ खड़ी रहेगी। उन्होंने माना कि मकानों के निर्माण में जमीन, अनुमति और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़ी कई जटिलताएं थीं, लेकिन अब उम्मीद है कि परियोजना तेजी से पूरी होगी।

पीड़ित परिवारों को मिलेंगे सुरक्षित और स्थायी घर

कांग्रेस की ओर से बनाए जा रहे 100 मकानों में हर घर करीब 1100 वर्ग फुट का होगा और प्रत्येक परिवार को लगभग 8 सेंट जमीन दी जाएगी। इस परियोजना का उद्देश्य सिर्फ छत देना नहीं बल्कि लोगों को सम्मान के साथ नई शुरुआत का मौका देना है। राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में दो बड़ी भूस्खलन घटनाएं देखी हैं और हर बार लोगों ने कठिन हालात में भी साहस और एकजुटता दिखाई। उन्होंने पीड़ितों से कहा कि उन्होंने बहुत कुछ खोया है, लेकिन उनका हौसला और इंसानियत अब भी मजबूत है।

डिजिटल दुनिया के बेताज बादशाह बने पीएम मोदी

इंस्टाग्राम पर 10 करोड़ फॉलोअर वाले दुनिया के पहले नेता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोशल मीडिया की दुनिया में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वह फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म 'इंस्टाग्राम' पर 10 करोड़ फॉलोअर का आंकड़ा पार करने वाले विश्व के पहले राजनेता बन गए हैं। अधिकारियों द्वारा बृहस्पतिवार को साझा की गई यह जानकारी प्रधानमंत्री की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को प्रमाणित करती है।
अधिकारियों ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे और पिछले एक दशक में उनका अकाउंट वैश्विक नेताओं के बीच सबसे अधिक सक्रिय डिजिटल मंच में से एक बन गया है। वैश्विक नेताओं में मोदी के 'इंस्टाग्राम' पर अब सबसे अधिक फॉलोअर हैं। सोशल मीडिया मंच पर उनके फॉलोअर की संख्या अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फॉलोअर से दोगुनी से भी अधिक है।
अधिकारियों ने बताया कि अगले पांच प्रमुख विश्व नेताओं के फॉलोअर की कुल संख्या भी मोदी के फॉलोअर की संख्या से कम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 4.32 करोड़ फॉलोअर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। ट्रंप के बाद

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के 1.5 करोड़ फॉलोअर हैं, जबकि ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा के 1.44 करोड़ फॉलोअर हैं।
इसके बाद तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन का स्थान आता है जिनके 1.16 करोड़ फॉलोअर हैं जबकि अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई के 64 लाख फॉलोअर हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह प्रधानमंत्री मोदी की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता को रेखांकित करता है।
भारत में भी फॉलोअर की संख्या के मामले में अंतर काफी बड़ा है, क्योंकि इंस्टाग्राम पर मोदी अन्य भारतीय नेताओं से काफी आगे हैं। उनके बाद दूसरे स्थान पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हैं जिनके लगभग 1.61 करोड़ फॉलोअर हैं, उनके बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगभग 1.26 करोड़ फॉलोअर के साथ तीसरे स्थान पर हैं।
2014 से 2026: एक दशक का डिजिटल सफर
प्रधानमंत्री मोदी 2014 में इंस्टाग्राम से जुड़े थे। पिछले 12 वर्षों में उनका अकाउंट केवल सरकारी सूचनाओं का जरिया नहीं, बल्कि उनकी व्यक्तिगत शैली, कूटनीतिक दौरों और आम जनमानस से जुड़ाव का एक जीवंत माध्यम बन गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह उपलब्धि न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी स्वीकार्यता को दर्शाती है। सरकारी अधिकारी 'यह प्रधानमंत्री मोदी की बेजोड़ वैश्विक पहुंच और दुनिया भर के युवाओं के बीच उनकी लोकप्रियता का स्पष्ट प्रमाण है।'

राज्यसभा की सीट के लिए महा विकास अघाड़ी में रार

शिवसेना यूबीटी के बाद अब कांग्रेस ने भी किया दावा

मुंबई। महाराष्ट्र में राज्यसभा की खाली हो रही सीटों के लिए होने वाले चुनाव ने महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन के भीतर खींचतान बढ़ा दी है। गठबंधन के पास वर्तमान संख्या बल के आधार पर केवल एक सीट जीतने की क्षमता है, जिस पर अब कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच दावों का दौर शुरू हो गया है। गुरुवार को कांग्रेस ने अपनी नेशनल पार्टी की स्थिति का हवाला देते हुए इस सीट पर अपना हक जताया।

गठबंधन की बैठक और कांग्रेस का रुख

राज्यसभा चुनाव और सीटों के बंटवारे पर चर्चा करने के लिए गुरुवार को कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक के बाद कांग्रेस विधायक दल के नेता विजय वडेट्टीवार ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है, इसलिए पार्टी का प्रस्ताव है कि यह राज्यसभा सीट उसे दी जाए। उन्होंने भरोसा जताया कि सीट-शेयरिंग का मुद्दा बातचीत से सुलझा लिया जाएगा। वडेट्टीवार ने कहा, भले ही दोनों पार्टियों ने दावा किया है, लेकिन एमवीए मिलकर चुनाव लड़ेगी और उम्मीदवार का नाम सबकी सहमति से तय होगा।

शिवसेना (यूबीटी) का तर्क

इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) के नेता आदित्य ठाकरे और संजय राउत ने इस सीट पर अपनी पार्टी का पहला हक बताया था। संजय राउत का तर्क है कि विधानसभा में वर्तमान संख्या के हिसाब से शिवसेना (यूबीटी) के पास 20 विधायक हैं, जो गठबंधन में सबसे ज्यादा हैं। वहीं कांग्रेस के पास 16 और एनसीपी (एसपी) के पास 10 विधायक हैं। राउत ने यह भी संकेत दिया था कि शरद पवार ने भी राज्यसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है।

चुनाव का गणित और कार्यकाल

महाराष्ट्र की सात राज्यसभा सीटों के लिए चुनाव का नोटिफिकेशन जारी हो चुका है। पांच मार्च तक नामांकन दाखिल किए जा सकते हैं और 16 मार्च को मतदान होगा।

'ये संघ की शरारत, इस पर सुप्रीम कोर्ट का गुस्सा जायज', एनसीईआरटी विवाद को लेकर कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली। एनसीईआरटी विवाद को लेकर कांग्रेस ने संघ पर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का इस मामले पर गुस्सा जायज है। कांग्रेस पार्टी ने दावा किया कि पिछले एक दशक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने शरारत और द्वेष के साथ किताबों को फिर से लिखा है और ये मामला उसी का नतीजा है। कांग्रेस का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एनसीईआरटी की आठवीं की एक किताब में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वाले हिस्से पर कड़ी नाराजगी जाहिर की और किताब पर प्रतिबंध लगा दिया।

कांग्रेस ने क्या आरोप लगाया

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, 'र्ईं की किताबों में न्यायपालिका के आलोचना वाले जिक्र पर सुप्रीम कोर्ट का गुस्सा जायज है।' उन्होंने लिखा, 'असल में, पिछले दस वर्षों में जिस तरह से एनसीईआरटी की टेक्स्टबुक्स को फिर से लिखा गया है, वह शर्मनाक होने के साथ-साथ खतरनाक भी है। यह संघ की शरारत और द्वेष से भरी कोशिश है। इसकी जांच होनी चाहिए।' मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की सदस्यता वाली पीठ ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान एनसीईआरटी के निदेशक और स्कूली शिक्षा विभाग के सचिव को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया।

मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्तः कहा- पीड़ितों को अंधेरे में न रखें, जांच एजेंसी को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली। मणिपुर में 2023 में हुई जातीय हिंसा से जुड़े मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को अहम और सख्त निर्देश जारी किए। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसियां पीड़ितों और उनके परिवारों को अंधेरे में नहीं रख सकतीं। इसलिए केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई और मणिपुर पुलिस की विशेष जांच टीमों को निर्देश दिया गया है कि जिन मामलों में चार्जशीट दाखिल की गई है, उसकी प्रतियां सीधे पीड़ितों और उनके परिवारों को उपलब्ध कराई जाएं। अदालत ने साफ किया कि न्याय प्रक्रिया में पीड़ितों की भागीदारी जरूरी है।
सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश मणिपुर हिंसा मामलों की जांच की निगरानी कर रहे पूर्व महाराष्ट्र पुलिस प्रमुख दत्तात्रेय पडसलगीकर की 12वीं स्थिति रिपोर्ट देखने के बाद दिया। रिपोर्ट में बताया गया कि सीबीआई अब तक 20 हिंसा मामलों में विशेष अदालत में चार्जशीट दाखिल कर चुकी है। वहीं छह अन्य

एफआईआर की जांच जारी है और अगले छह महीने में उन्हें पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने जांच एजेंसियों को तय समय सीमा में बाकी मामलों की जांच पूरी करने के निर्देश भी दिए।

पीड़ितों को मिलेगा मुफ्त कानूनी सहारा

सुनवाई के दौरान वरिष्ठ वकील वृंदा ग्रोवर ने अदालत को बताया कि कई पीड़ितों और उनके परिवारों को यह तक नहीं पता कि उनके मामलों में क्या कार्रवाई हुई है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और असम राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को हर पीड़ित को मुफ्त कानूनी सहायता देने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि ऐसे वकील नियुक्त किए जाएं जो स्थानीय भाषा जानते हों ताकि पीड़ित आसानी से अपनी बात रख सकें। अदालत ने यह भी कहा कि इन वकीलों के गुवाहाटी आने-जाने और ठहरने का खर्च मणिपुर विधिक सेवा प्राधिकरण उठाएगा।

गुवाहाटी में चलेगा ट्रायल, खर्च भी सरकार उठाएगी

सुप्रीम कोर्ट पहले ही सुरक्षा कारणों से मणिपुर से जुड़े कई मामलों की सुनवाई असम के गुवाहाटी में स्थानांतरित कर चुका है। अदालत ने निर्देश दिया कि केस की सुनवाई में शामिल होने के लिए पीड़ित या उनके परिवार का एक सदस्य यात्रा और रहने की सुविधा का लाभ ले सकेगा और इसका खर्च भी संबंधित प्राधिकरण वहन करेगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि कानूनी सहायता वकील जरूरत पड़ने पर सरकारी वकीलों के साथ या स्वतंत्र रूप से विशेष अदालत की मदद कर सकेंगे।

भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाने की साज़िश करने वाले अपराधियों को बचा रही कांग्रेस : तरुण चुग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एआई समिट के दौरान यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा कपड़े उतारकर किया गया प्रदर्शन कोई सामान्य विरोध नहीं था, बल्कि भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने की सुनियोजित साज़िश थी। चुग ने कहा कि सामने आ रहे तथ्यों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि यह पूरा घटनाक्रम कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व राहुल गांधी और गांधी परिवार के इशारे पर रचा गया। देश की गरिमा को दांव पर लगाकर राजनीति करना कांग्रेस की आदत बन चुकी है।

चुग ने कहा कि इससे भी अधिक चिंताजनक बात यह है कि जिन लोगों पर समिट को बाधित करने का आरोप है, उन्हें हिमाचल प्रदेश में कथित रूप से संरक्षण दिया गया। यदि दिल्ली पुलिस वैध वारंट और ट्रांजिट रिमांड के आधार पर कार्रवाई करने पहुंची थी, तो उन्हें रास्ते में रोकना और वाहन जब्त करना संघीय ढांचे और विधि व्यवस्था की भावना के विपरीत है। कानून से ऊपर कोई राजनीतिक विचारधारा नहीं हो सकती। चुग ने जोड़ा कि यदि किसी प्रक्रिया पर

आपत्ति थी तो उसका समाधान संवैधानिक और कानूनी तरीके से होना चाहिए था। पुलिस बनाम पुलिस की स्थिति खड़ी करना न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि यह संदेश देता है कि कांग्रेस शासित राज्यों में राजनीतिक हित कानून से ऊपर रखे जा रहे हैं।

तरुण चुग ने कहा कि जो पार्टी सत्ता में आने से पहले अवैध खनन पर पूरी तरह रोक लगाने और ?20,000 करोड़ का राजस्व जुटाने के बड़े-बड़े दावे करती थी, आज उसी पार्टी के वरिष्ठ नेता मलविंदर कंग प्रदेश में अवैध खनन और नेताओं-अधिकारियों की मिलीभगत की बात स्वीकार कर रहे हैं। यह बयान स्वयं आप सरकार की विफलता का प्रमाण है। चुग ने कहा कि पंजाब की जनता पूछ रही है कि क्या यही वह बदलाव था जिसका वादा किया गया था। क्या अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान अवैध खनन में शामिल लोगों पर कठोर कार्रवाई करेंगे? क्या भ्रष्टाचार के मामले दर्ज होंगे या फिर यह मुद्दा भी अन्य मामलों की तरह दबा दिया जाएगा? चुग ने कहा कि यदि सत्ता और माइनिंग माफिया के बीच सांठगांठ है तो यह शासन की नैतिक पराजय है। पंजाब को पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन चाहिए, न कि माफिया संरक्षित व्यवस्था।

तरुण चुग ने कहा कि गुरदासपुर में एएसआई की हत्या और उसके बाद उठे फेक एनकाउंटर के आरोप पंजाब में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की भयावह तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। लगातार अपराध, गैंगवार और पुलिस प्रतिष्ठानों पर हमले यह दर्शाते हैं कि अपराधियों में कानून का डर समाप्त हो चुका है।

चुग ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार न तो पीड़ित परिवारों को समयबद्ध न्याय दिला पाई है और न ही निर्दोष लोगों के साथ हो रहे अन्याय को रोक सकी है।

इतिहास और शिक्षा को लेकर ऐसा क्यों बोले सीएम फडणवीस?

'कोई औरंगजेब को नहीं मानता नायक, अगर...'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को विधानसभा में एक साथ कई मुद्दों पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने पिछले 70 साल का इतिहास, शिक्षा व्यवस्था और छत्रपति शिवाजी महराज समेत अन्य कई मुद्दों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। फडणवीस ने कहा कि अगर पिछले 70 वर्षों में स्कूलों में इतिहास सही तरीके से पढ़ाया जाता, तो कोई मुस्लिम मुगल सम्राट औरंगजेब को नायक नहीं मानता।
सीएम फडणवीस ने इस दौरान छत्रपति शिवाजी महराज की तुलना मैसूर के शासक टीपू सुलतान से करने पर भी सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी और टीपू सुलतना की तुलना करना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि टीपू सुलतान ने ब्रिटिश से लड़ाई अपने राज्य को बचाने के लिए की, लेकिन उन्होंने 75,000 हिंदुओं और 33,000 नायरों को मारा। ऐसे में उनकी

तुलना शिवाजी महाराज से नहीं की जा सकती।
हिंदी भाषा को लेकर भी बोले फडणवीस
फडणवीस ने हिंदी को कक्षा एक से पांच तक तीसरी भाषा बनाने के विरोध पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि यह फैसला तब की महा विकास अघाड़ी सरकार ने लिया था। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि विरोधियों ने हमें इसके लिए दोषी ठहराया, लेकिन मुझे खुशी है कि इससे दो भाई (उद्धव और राज ठाकरे) एक साथ आए।
इस दौरान मुख्यमंत्री ने साफ किया कि हम हमेशा उन लोगों का विरोध करेंगे ज ा ा ` आक्रमणकारियों को हीरो के रूप में दिखाते हैं। कुल मिलाकर, फडणवीस ने इतिहास की सही शिक्षा, शिवाजी महाराज और टीपू सुलतान की तुलना, और शिक्षा नीति को लेकर अपना स्पष्ट रुख रखा।

अश्विनी वैष्णव का बड़ा बयानः सोशल मीडिया कंपनियां कंटेंट क्रिएटर्स से साझा करें मुनाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में एक संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने साफ किया कि सोशल मीडिया कंपनियों को अपनी कमाई का एक उचित हिस्सा उन लोगों के साथ साझा करना चाहिए जो उनके प्लेटफॉर्म के लिए कंटेंट तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे वे पत्रकार हों, इन्फ्लुएंसर्स हों या शोधकर्ता, सभी को उनके काम का वाजिब मेहनताना मिलना जरूरी है।

अश्विनी वैष्णव ने तर्क दिया कि डिजिटल प्लेटफॉर्म उन सूचनाओं और वीडियो से भारी लाभ कमाते हैं जो विभिन्न श्रेणियों के रचनाकारों द्वारा अपलोड किए जाते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि दूरदराज के इलाकों में बैठे क्रिएटर्स, पारंपरिक मीडिया हाउस, समाचार पेशेवर, प्रोफेसर और शिक्षाविदों को उनके द्वारा साझा किए गए शोध और काम के बदले राजस्व का उचित हिस्सा मिलना चाहिए। मंत्री के अनुसार, राजस्व वितरण में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने से भारत की डिजिटल कंटेंट इकोनॉमी को नई ताकत मिलेगी।

राजस्व के अलावा, सरकार डिजिटल सुरक्षा को लेकर भी सख्त कदम उठा रही है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आईटी नियमों (2021) में नए संशोधनों का प्रस्ताव दिया है, जिसका मुख्य उद्देश्य एआई-जनित गलत सूचनाओं और डीपफेक को रोकना है। फेसबुक, यूट्यूब और स्नैपचैट जैसे बड़े प्लेटफॉर्म (जिनके भारत में 50 लाख से अधिक यूजर्स हैं) को एआई द्वारा तैयार की गई सामग्री पर स्पष्ट लेबल लगाना होगा।

गाज़ा संकट के बीच मोदी की इज़राइल यात्रा पर महबूबा मुफ्ती भड़कीं, कहा- पीएम को बेंजामिन नेतन्याहू को गले नहीं लगाना चाहिए था

श्रीनगर। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इज़राइल यात्रा को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने विशेष रूप से प्रधानमंत्री द्वारा इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मेलजोल और गर्मजोशी भरे संवाद पर आपत्ति जताई। अनंतनाग में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा कि 1.4 अरब से अधिक लोगों के देश के प्रमुख होने के नाते प्रधानमंत्री को अपने हर कूटनीतिक कदम के संदेश और प्रभाव के प्रति संवेदनशील रहना चाहिए। उनका कहना था कि गाज़ा की मौजूदा स्थिति ने वैश्विक समुदाय का ध्यान अपनी ओर खींचा है और ऐसे समय में किसी भी तरह का सार्वजनिक प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग संकेत दे सकता है।

महबूबा मुफ्ती ने आरोप लगाया कि गाज़ा संघर्ष के दौरान नागरिकों की मौतों के लिए नेतन्याहू को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। उन्होंने उन्हें 'अंतरराष्ट्रीय अपराधी' तक करार दिया और दावा किया कि कुछ देशों में उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की संभावना हो सकती है। हालांकि उन्होंने किसी विशेष देश या कानूनी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं किया, लेकिन उनका संकेत अंतरराष्ट्रीय कानून और मानवाधिकार के मुद्दों की ओर था।

उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री को ऐसे नेताओं को गले लगाते हुए नहीं देखा जाना चाहिए।' मुफ्ती ने यह भी जोड़ा कि भारत ने ऐतिहासिक रूप से वैश्विक मामलों में नैतिक रुख अपनाया है और शांति व न्याय के पक्ष में अपनी स्पष्ट स्थिति रखी है। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति को उसी परंपरा के अनुरूप होना चाहिए। पीडीपी अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से अपनी कूटनीतिक नीति की समीक्षा करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत की विदेश नीति को उसके घोषित सिद्धांतों शांति, न्याय और मानवाधिकार के अनुरूप प्रतिबिंबित होना चाहिए।

महाराष्ट्र में नई औद्योगिक क्रांति का शुभारंभ

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का विधान परिषद में वक्तव्य

महाराष्ट्र की विकास यात्रा अब नहीं रुकेगी

दिव्यांश

मुंबई। पिछले चार वर्षों की स्थगन की राजनीति के बाद राज्य ने प्रगति की दौड़ प्रारंभ कर दी है। महाराष्ट्र में नई औद्योगिक क्रांति का दौर शुरू हो चुका है और अब महाराष्ट्र की विकास गति को कोई नहीं रोक सकेगा। औद्योगिक निवेश के मामले में महाराष्ट्र आज भी देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य में जारी विकास यात्रा की झलक राज्यपाल के अभिभाषण में दिखाई देती है और राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य विकसित, समृद्ध और सुरक्षित महाराष्ट्र का निर्माण करना है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विधान परिषद में आश्वस्त किया कि विकास और जनकल्याण के लिए महाराष्ट्र की यह यात्रा कभी नहीं रुकेगी।

वे राज्यपाल के अभिभाषण पर विधान परिषद में हुई चर्चा का उत्तर दे रहे थे। अपने भाषण की शुरुआत उन्होंने स्वर्गीय नेता अजित पवार को स्मरण कर की। उन्होंने कहा कि उनके निधन से सदन शोकाकुल है और उन्होंने सदैव विकास की राजनीति को आगे बढ़ाया। राज्य की औद्योगिक प्रगति पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र केवल देश में ही नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी निवेश के लिए पसंदीदा राज्य बन चुका है। औद्योगिक निवेश में महाराष्ट्र अभी भी देश में प्रथम है और देश के कुल सकल घरेलू उत्पाद में राज्य की हिस्सेदारी 13.5 प्रतिशत है। वर्ष 2024-25 में महाराष्ट्र को 1,64,875 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त हुआ, जो देश के कुल निवेश का 39 प्रतिशत है।

चालू वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में महाराष्ट्र को 91,337 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश प्राप्त हुआ, जिससे राज्य विदेशी निवेश में प्रथम स्थान पर रहा। दावोस में 18 देशों की कंपनियों के साथ लगभग 30 लाख करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें से 82 प्रतिशत क्रियान्वयन की अवस्था में हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इन निवेशों से क्वांटम संगणन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक तथा हरित ऊर्जा जैसे आधुनिक क्षेत्रों में बड़े कार्य होंगे।

आधारभूत संरचना के विकास पर बोलते हुए उपमुख्यमंत्री शिंदे ने मुंबई सहित पूरे राज्य का स्वरूप बदलने वाली परियोजनाओं की जानकारी दी। मुंबई में एशिया का सबसे बड़ा वैश्विक क्षमता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जिससे 45 हजार रोजगार सृजित होंगे। पालघर में प्रस्तावित वधवन बंदरगाह, जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह से तीन गुना अधिक क्षमता वाला होगा और यह परिवर्तनकारी परियोजना सिद्ध होगी, जिससे 40 लाख करोड़ रुपये का निवेश और 50 लाख रोजगार सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त समृद्धि महामार्ग, तटीय मार्ग तथा अटल सेतु के कारण राज्य की संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ हुई है।

उन्होंने कहा कि औद्योगिक विकास अब केवल मुंबई-पुणे तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका विकेंद्रीकरण हुआ है। उत्तर महाराष्ट्र में 50,000 करोड़ रुपये का निवेश आ रहा है, जबकि अहिल्यानगर जिले में 11,519 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है। छत्रपति संभाजीनगर देश का पहला स्मार्ट औद्योगिक शहर बना है और भविष्य में यह विद्युत वाहन उत्पादन का प्रमुख केंद्र होगा।

राज्य के युवाओं के रोजगार के संबंध में घोषणा करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2026 को 'भर्ती वर्ष' के रूप में लागू किया जाएगा। इससे पूर्व 75 हजार रिक्त पदों के लिए अभियान चलाया गया था और अब तक 1 लाख 53 हजार पदों में से 85 हजार 363 अभ्यर्थियों की नियुक्ति की जा चुकी है।

उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं और संपूर्ण भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने पर सरकार का विशेष ध्यान है। प्रशासन में आमूलचूल परिवर्तन लाने के लिए 'जीपीआर 2.0' नामक महत्वाकांक्षी पहल प्रारंभ की गई है, जिसकी सराहना स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है। उन्होंने दृढ़ता से कहा कि हमारी सरकार चौबीसों घंटे जनता की सेवा में तत्पर है और महाराष्ट्र की प्रगति की रेलगाड़ी सुचारु रूप से आगे बढ़ रही है।

रेल यात्रा के लिए 'रेलवन ऐप' बना एकीकृत डिजिटल मंच, यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप 1 मार्च से होगा बंद

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

यात्री आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकट की बुकिंग, पीएनआर स्टेटस व ट्रेन की जानकारी, यात्रा योजना, रेल मदद सेवाएं, ट्रेन में भोजन बुकिंग सहित सभी सेवाएँ अब एक ही ऐप पर उपलब्ध

यात्रियों की सुविधा, डिजिटल सेवाओं के एकीकरण तथा रेल यात्रा को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से भारतीय रेलवे द्वारा 'रेलवन ऐप' को एक समग्र डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया है। यह ऐप रेल यात्रा से जुड़ी लगभग सभी आवश्यक सेवाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है।

रेलवे प्रशासन द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि अब 'यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप', जो अब तक अनारक्षित टिकट बुकिंग के लिए उपयोग हो रहा था, दिनांक 01 मार्च, 2026 से बंद कर दिया जाएगा। अनारक्षित टिकट बुकिंग की सुविधा अब पूर्ण रूप से 'रेलवन ऐप' में शामिल कर दी गई है, इसलिए यात्रियों को अलग-अलग ऐप उपयोग करने की आवश्यकता नहीं रहेगी। साथ ही वर्तमान में रेलवन पर अनारक्षित टिकटों की बुकिंग पर 3 प्रतिशत का छूट 14 जून, 2026 तक प्रयोगिक तौर पर दिया जा रहा है।

रेलवे ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान में 'यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप' का उपयोग कर रहे सभी यात्री अपनी मौजूदा उपयोगकर्ता पहचान(आयडी) के माध्यम से आसानी से 'रेलवन ऐप' पर स्थानांतरित हो सकते हैं। इसके लिए यात्रियों को नया पंजीकरण करने की आवश्यकता नहीं होगी।

यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप पर बुक किए गए सीज़न टिकटों के लिए 'Show Ticket' सेक्शन में 'Transfer Ticket' का नया विकल्प जोड़ा गया है, जिससे यात्रियों को सीज़न टिकट ट्रांसफर करने की सुविधा उपलब्ध होगी।

'रेलवन ऐप' के माध्यम से यात्रियों को आरक्षित एवं अनारक्षित टिकट बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, लाइव ट्रेन स्थिति, आरक्षण विवरण, टिकट निरस्तीकरण एवं धनवापसी, रेल मदद सेवाएँ, शिकायत दर्ज करने एवं निवारण, तथा ट्रेन में भोजन बुकिंग जैसी सुविधाएँ एक ही मंच पर उपलब्ध कराई जा रही हैं।

ऐप की एक प्रमुख विशेषता सिंगल साइन-ऑन सुविधा है, जिसके अंतर्गत यात्री पूर्व में प्रयुक्त रेलकनेक्ट अथवा यूटीएस ऑन मोबाइल की उपयोक्ता आईडी से ही लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही रेलवे ई-वॉलेट की सुविधा भी उपलब्ध है, जिसके माध्यम से अनारक्षित टिकट लेने पर यात्रियों को तीन प्रतिशत की छूट का लाभ मिलता है।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे 'रेलवन ऐप' को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें, 'यूटीएस ऑन मोबाइल ऐप' से 'रेलवन ऐप' पर स्थानांतरण सुनिश्चित करें तथा एकीकृत डिजिटल सेवाओं के माध्यम से अपनी रेल यात्रा को अधिक सहज और सुविधाजनक बनाएं।

दहिसर नदी के प्रदूषण को रोकने हेतु परियोजनाएँ

कार्य March 2026 तक पूर्ण होगा - राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई । राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि दहिसर नदी में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए चल रही परियोजनाएँ March 2026 तक पूर्ण कर ली जाएंगी। विधानसभा में विधायक अबू आजमी ने दहिसर (मुंबई) नदी में बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिए किए जा रहे उपायों के संबंध में प्रश्न उठाया था। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने यह जानकारी दी।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि दहिसर नदी क्षेत्र में स्थित गोशालाओं को स्थानांतरित करने की प्रक्रिया जारी है और इसके लिए स्थान भी चिन्हित कर लिया गया है। राजस्व विभाग द्वारा संबंधित मानचित्र जिला अधिकारी को भेज दिया गया है तथा वित्तीय प्रावधान भी कर दिया गया है। गोशालाओं के स्थानांतरण के संबंध में मुंबई महानगरपालिका को निर्देश दिए गए हैं और नोटिस जारी कर स्थानांतरण की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

विधानसभा अध्यक्ष अधिवक्ता राहुल नार्वेकर ने मुंबई प्रदूषण नियंत्रण मंडल को अब तक नदी प्रदूषण रोकने के लिए की गई कार्रवाई की जानकारी सदन में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंडल तत्काल जिम्मेदारी लेते हुए एक सप्ताह के भीतर प्रतिवेदन प्रस्तुत करे।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने जानकारी दी कि दहिसर, पोइसर, ओशिवरा और वालभट नदियों के पुनर्जीवन का कार्य प्रगति पर है। दहिसर नदी के लिए 2 मल-जल शोधन संयंत्रों का कार्य पूर्ण हो चुका है और यह परियोजना ईम्प 31, 2026 तक चालू हो जाएगी। पोइसर नदी के लिए 10 मल-जल शोधन संयंत्रों में से 9 संयंत्रों का कार्य प्रगति पर है। ओशिवरा और वालभट नदियों के लिए 5 संयंत्रों का कार्य भी जारी है।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने कहा कि अब तक नदी किनारे स्थित गोशालाओं के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की गई है। किंतु अनेक गोशालाएँ पंजीकृत न होने के कारण कार्रवाई में विलंब हो रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि दहिसर नदी परियोजना में 130 मकान और दुकानें, पोइसर में 2,554 तथा ओशिवरा नदी परियोजना में 700 निर्माण प्रभावित हैं। पात्र निर्माणों के लिए वैकल्पिक आवास उपलब्ध न होने के कारण अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया लंबित है।

इस चर्चा में विधानसभा सदस्य मनीषा चौधरी, योगेश सागर, दिलीप लांडे तथा असलम शेख ने सहभाग लिया।

आधुनिकता की पटरी पर भीलड़ी: पुनर्विकास का 90% कार्य पूर्ण

अमृत भारत स्टेशन योजना से बदल रही स्टेशन की सूरत, लिफ्ट और दिव्यांग-अनुकूल सुविधाओं से होगा लैस

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे के भीलड़ी रेलवे स्टेशन का अमृत स्टेशन योजना के तहत लगभग 11.00 करोड़ की अनुमानित लागत से व्यापक पुनर्विकास किया जा रहा है। इस परियोजना का लगभग 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है तथा शेष कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है।

आधुनिक स्टेशन भवन: स्टेशन पर 18,223 वर्गफीट क्षेत्र में एक नया आधुनिक भवन बनाया जा रहा है, जिसमें अत्याधुनिक बुकिंग कार्यालय और वातानुकूलित व गैर-वातानुकूलित प्रतीक्षालय की सुविधा होगी।

बेहतर कनेक्टिविटी और एप्रोच: यात्रियों की सुविधा के लिए 39,288 वर्गफीट लंबी एप्रोच रोड का सुधार व चौड़ीकरण किया गया है और 29,105 वर्गफीट क्षेत्र में सर्कुलेटिंग एरिया व पार्किंग का विकास किया जा चुका है।

उन्नत प्रतीक्षालय और शौचालय: स्टेशन पर 1,582 वर्गफीट के प्रतीक्षालय का उन्नयन किया गया है और कुल 5 शौचालय ब्लॉकों में से 4 का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

लिफ्ट और यात्री-अनुकूल सुविधाएं: सभी प्लेटफॉर्म पर लिफ्ट की व्यवस्था की जा रही है तथा दिव्यांगजनों के लिए विशेष रैंप, पोर्च, सुगम प्रवेश/निकास द्वार और पृथक शौचालय व पार्किंग विकसित की गई है तथा यात्रियों को बैठने के लिए पर्याप्त संख्या में बेंचे भी लगाई गई है।

पार्किंग और सौंदर्यीकरण: परिसर में चार पहिया, दो पहिया और ऑटो-रिक्शा के लिए अलग-अलग पार्किंग, प्लेटफॉर्म शेल्टर का विस्तार, हरित क्षेत्र का विकास और सौंदर्यीकरण का कार्य अंतिम चरण में है।

भविष्य की क्षमता का विस्तार: वर्तमान में प्रतिदिन 12,00 यात्रियों और 40 ट्रेनों का भार संभालने वाले इस स्टेशन को भविष्य में 25,000 यात्रियों की दैनिक आवाजाही के अनुरूप तैयार किया जा रहा है।

आर्थिक और सामरिक महत्व: यह स्टेशन मालगाड़ियों और डबल स्टैक कंटेनर ट्रेनों के आवागमन के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसका पुनर्विकास स्थानीय समुदाय को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

सुरक्षित एवं आधुनिक यात्रा अनुभव: इस पुनर्विकास के पूर्ण होने के बाद भीलड़ी स्टेशन यात्रियों को अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक अनुभव प्रदान करेगा, जो पश्चिम रेलवे की आधुनिकीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए वातानुकूलित लोकल सेवाओं में वृद्धि

कार्यदिवसों में 133 एवं सप्ताहांत में 106 वातानुकूलित लोकल सेवाएं

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम रेलवे पर वातानुकूलित (एसी) लोकल ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यात्रियों की बढ़ती लोकप्रियता और मांग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे मुंबई उपनगरीय खंड में वातानुकूलित लोकल सेवाओं की संख्या निरंतर बढ़ा रही है। वर्तमान में पश्चिम रेलवे द्वारा अपने उपनगरीय नेटवर्क पर सोमवार से शुक्रवार 133 एसी लोकल सेवाएं संचालित की जा रही है। वहीं शनिवार और रविवार को 106 एसी लोकल सेवाएं चलाई जा रही हैं, जिससे सप्ताहांत में यात्रा करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा और आराम मिल रहा है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, इस वर्ष कई नई लोकल सेवाएं शुरू की गई हैं, जिनमें एसी सेवाएं भी शामिल हैं। जनवरी माह में 12 एसी लोकल सेवाएं शुरू की गईं

तथा फरवरी में 12 और सेवाएं जोड़ी गईं। इसके साथ ही पश्चिम रेलवे पर एसी सेवाओं की कुल संख्या बढ़कर 133 हो गई है। एसी सेवाओं की बढ़ी हुई संख्या से यात्रियों को सप्ताहांत में भी सुविधाजनक, आरामदायक और वातानुकूलित यात्रा का अनुभव मिल रहा है।

श्री विनीत ने आगे बताया कि एसी लोकल ट्रेनें बेहतर यात्रा सुविधा प्रदान करती हैं और उपनगरीय नेटवर्क के विभिन्न वर्गों के यात्रियों से इन्हे लगातार सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। सप्ताहांत पर अतिरिक्त एसी सेवाओं की उपलब्धता से विशेष रूप से उन यात्रियों को लाभ हुआ है जो कार्यालय, अवकाश या अन्य व्यक्तिगत कार्यों के लिए यात्रा करते हैं। साथ ही, इससे आगामी ग्रीष्म ऋतु में भी यह यात्रियों के लिए बड़ी राहत मिलेगी।

पश्चिम रेलवे सुरक्षित, कुशल और यात्री-अनुकूल सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसी लोकल सेवाओं की बढ़ी हुई उपलब्धता दैनिक यात्रा की गुणवत्ता में सुधार करने और मुंबई की जीवनरेखा को और सुदृढ़ बनाने के इसके निरंतर प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

छत्रपति संभाजीनगर में शहरवासियों को शौचालय सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी- राज्य मंत्री माधुरी मिसाल

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। छत्रपति संभाजीनगर शहर में नगर निगम द्वारा 24 शौचालय शुल्क देकर उपयोग करने की व्यवस्था के आधार पर संचालित किए जा रहे हैं तथा क्षेत्र क्रमांक 1 से 10 के अंतर्गत 46 अतिरिक्त शौचालयों का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त नगर निगम के 33 विद्यालयों में महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए विशेष ढलानयुक्त शौचालय कार्यरत हैं।

साथ ही स्वच्छ भारत अभियान 2.0 तथा स्वच्छ महाराष्ट्र मिशन के अंतर्गत कुल 21 नए शौचालयों का निर्माण कार्य प्रगति पर है और वे शीघ्र ही नागरिकों के उपयोग हेतु उपलब्ध कराए जाएंगे, ऐसा राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया। विधानसभा में विधायक नारायण कुचे ने छत्रपति संभाजीनगर शहर में पर्याप्त सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध कराने के संबंध में प्रश्न उठाया था। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने यह जानकारी दी।

राज्य मंत्री माधुरी मिसाल ने बताया कि नगर निगम द्वारा औरंगपुरा तथा मकबरा मार्ग पर दो स्थानों पर शौचालयों का निर्माण किया गया है। इनमें से औरंगपुरा स्थित महिलाओं के शौचालय को 3 वर्ष की अवधि के लिए 'जय काल भैरवनाथ बहुउद्देशीय धर्मार्थ संस्था' को पट्टे पर दिया गया है और वह संचालित हो रहा है। वहीं मकबरा मार्ग स्थित शौचालय वर्तमान में वार्ड अधिकारियों की देखरेख में नगर निगम द्वारा संचालित किया जा रहा है। राज्य मंत्री मिसाल ने कहा कि नागरिकों द्वारा की गई स्वास्थ्य संबंधी शिकायतों और स्वच्छता समस्याओं की जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही नागरिकों को मूलभूत स्वच्छता सुविधाएं शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए शौचालय निर्माण को प्राथमिकता दी जा रही है।

पुलिस हिरासत से आरोपी के फरार होने की घटनाओं को रोकने के लिए निवारक उपाय

मुंबई। सातारा जिले के पाचगनी पुलिस स्टेशन में POCSO के तहत दर्ज मामले में न्यायिक हिरासत में रखे गए आरोपी के फरार होने के संबंध में जिम्मेदार पुलिस अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। साथ ही कर्तव्य में लापरवाही बरतने पर भी उनके खिलाफ कदम उठाए गए हैं। गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए बंडगार्डन पुलिस स्टेशन के अंतर्गत ससून अस्पताल पुलिस चौकी स्थापित की गई है।

सातारा जिले के पाचगनी पुलिस स्टेशन में POCSO के तहत दर्ज प्रकरण में न्यायिक हिरासत में रखे गए आरोपी को उपचार हेतु पुलिस सुरक्षा में ससून अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान आरोपी फरार हो गया, हालांकि बाद में उसने पुनः आत्मसमर्पण कर दिया। इस संदर्भ में सदस्य हारून खान ने संबंधित पुलिस अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा सरकारी अस्पताल में आरोपियों के लिए अलग कक्ष स्थापित करने का महत्वपूर्ण सुझाव दिया था। इस विषय पर अधिक जानकारी देते हुए गृह राज्य मंत्री योगेश कदम ने बताया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए बंडगार्डन पुलिस स्टेशन के अधीन ससून अस्पताल पुलिस चौकी की स्थापना की गई है।

पालघर जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की जाएगी- राज्य मंत्री (स्वास्थ्य) मेघना साकोरे-बोर्डीकर

मुंबई । पालघर जिले के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में घटी घटना की पृष्ठभूमि में जिले की संपूर्ण स्वास्थ्य व्यवस्था की समीक्षा के लिए बैठक आयोजित की जाएगी, ऐसी जानकारी राज्य मंत्री (स्वास्थ्य) मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने विधान परिषद के प्रश्नकाल में दी।

इस संबंध में सदस्य चित्रा वाघ ने प्रश्न उठाया था तथा सदस्य प्रवीण दरेकर ने पूरक प्रश्न पूछा।

राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने कहा कि पालघर जिले के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रसव के समय चिकित्सकों की अनुपस्थिति की घटना को गंभीरता से लेते हुए संबंधित स्वास्थ्य अधिकारी को निलंबित किया गया है तथा दो संविदा चिकित्सकों की सेवाएँ समाप्त कर दी गई हैं। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत प्रत्येक माता को सुरक्षित एवं संस्थागत प्रसव सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। दूरस्थ क्षेत्रों में भी गुणवत्तापूर्ण सेवाएँ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में जैवमिति आधारित उपस्थिति प्रणाली अनिवार्य कर दी गई है तथा कर्मचारियों की उपस्थिति की नियमित जाँच की जाती है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों, ग्रामीण अस्पतालों तथा अन्य अस्पतालों का केंद्रीय सरकार के एनएक्यूओएस अनुप्रयोग के माध्यम से आठ मानकों पर समय-समय पर निरीक्षण किया जाता है। साथ ही प्रसूति कक्ष निरीक्षण कार्यक्रम एवं पुनर्जीवन अभियान के अंतर्गत स्वच्छता और गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है।

जिले में चिकित्सा अधिकारियों के 112 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 34 पद रिक्त हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में 87 पदों में से 8 पद रिक्त हैं। नई भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है और रिक्त पदों को शीघ्र भरा जाएगा। नागरिकों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त हों, इसके लिए आवश्यक ठोस उपाय किए जा रहे हैं, ऐसा राज्य मंत्री मेघना साकोरे-बोर्डीकर ने बताया।

पश्चिम रेलवे

जैविक ब्रेक पैड

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, कैरिज मरम्मत कार्यशाला, लोअर परेल, मुंबई 400 013 द्वारा इलेक्ट्रॉनिक क्रय प्रणाली के माध्यम से निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। कोई भी हस्तलिखित अथवा डाक द्वारा भेजे गए प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। निविदा का विवरण तथा निविदा प्रस्तुत करने के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **निविदा क्रमांक** : 52265224 दिनांक : 24.02.2026 **संक्षिप्त विवरण** : एलएचबी कोचों के लिए 35 मि.मी. गैर एस्बेस्टस आधारित जैविक ब्रेक पैड का सेट (एक बायाँ तथा एक दायाँ)। **निविदा मात्रा** : 3000 संख्या। **कुल मूल्य** : 65,49,000/- **अंतिम तिथि** : 30.03.2026 अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएँ। 1175

हमें फॉलो करें facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे – रतलाम मंडल

संख्या- W/623/5/1/NIT | **ई-टेंडरिंग नोटिस** | दिनांक: 23.02.2026

मण्डल रेल प्रबंधक/मण्डल कार्यालय (कार्यलेखा शाखा) पश्चिम रेलवे रतलाम भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये "खुली निविदा" ई-निविदा के माध्यम से वेबसाइट www.ireps.gov.in पर आमंत्रित करते है। विवरण इस प्रकार है-

क्र. सं.	ई-टेंडरिंग संख्या और कार्य का नाम	अनुमानित लागत रू	बयाना राशि रू	कार्य समापन अवधि
1	RTM-2025-26-193	2,20,78,626.24	2,60,400/-	12 माह
	Ratlam- Providing 10 units type II quarters in lieu of abandoned non standard quarters T-6 (A-J), Composite (Civil +Electrical) **Similar type of work: Construction of any Building work.**			
2	RTM-2025-26-198	4,50,54,870.73	3,75,300/-	09 माह
	Ujjain -Naikhedi - Providing Boundary Wall to prevent encroachment and tress passing in connection with Simhastha 2028 (Total 4.24 KM) **Similar type of work: Any Civil Engineering Work.**			

अनुमानित मात्रा: As per tender schedule. वेबसाईट पर अपलोड करने की तिथि: 23.02.2026. निविदा खुलने की तिथि: 20.03.2026. विस्तृत निविदा सूचना, अहाता शर्ते एवं अन्य शर्ते वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। AK/5/1/479

हमें लाईक करें: facebook.com/WesternRly • हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

एनसीपी को राष्ट्रीय दर्जा दिला पाएंगी सुनेत्रा?: मिली पार्टी की कमान, भावुक होकर कार्यकर्ताओं से कहीं ये बातें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र की उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को गुरुवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह चुनाव उनके पति अजित पवार के करीब एक महीने पहले हुए निधन के बाद हुआ है। सुनेत्रा पवार ने कहा कि यह पल उनके लिए भावनात्मक रूप से बहुत तकलीफदेह है, लेकिन यह नई जिम्मेदारी भी बहुत बड़ी है।

अजित पवार की 28 जनवरी को बारामती में एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई थी। वह राज्य के लोकप्रिय नेता थे और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर थे। मुंबई में हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सुनेत्रा पवार को सर्वसम्मति से एनसीपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया।

सुनेत्रा पवार ने पार्टी पदाधिकारियों को क्या संदेश दिया?

पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सुनेत्रा पवार ने कहा कि एनसीपी उनका परिवार है और वह समाज के किसी भी वर्ग को पीछे नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी सभी को साथ लेकर आगे बढ़ेगी और राज्य ही नहीं, बल्कि देशभर में संगठन को मजबूत किया जाएगा।

अजित पवार का सपना याद कर क्या बोलीं सुनेत्रा?

उन्होंने कहा कि पार्टी अभी भी अजित पवार के अचानक निधन के सदमे से

पूरी तरह उबर नहीं पाई है। उनका जाना एक ऐसी कमी है, जिसे कभी भरा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात का एहसास है कि उन पर कितनी बड़ी जिम्मेदारी और उम्मीदें हैं। भावुक होते हुए उन्होंने कहा कि अजित पवार ने जीवनभर महाराष्ट्र के विकास के लिए काम किया। उनका सपना अधूरा नहीं रहने दिया जाएगा और पार्टी मिलकर उसे पूरा करेगी।

पार्टी को दोबारा राष्ट्रीय दर्जा दिलाने की क्या है रणनीति?

सुनेत्रा पवार ने कहा कि हर कार्यकर्ता अपने आप में राष्ट्रीय अध्यक्ष जैसा है। उन्होंने पार्टी को दोबारा राष्ट्रीय दर्जा दिलाने और शहरी क्षेत्रों में संगठन का विस्तार करने पर जोर दिया।

सरकारी योजनाओं और किसानों को लेकर क्या कहा?

उन्होंने कहा कि 'लाडकी बहिन' जैसी सरकारी योजनाओं के साथ-साथ किसानों पर भी ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने बताया कि अजित पवार ने खेती में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक की शुरुआत की थी और पार्टी उस दिशा में काम जारी रखेगी।

'शारदाबाई पवार की विचारधारा को आगे बढ़ाएं'

उन्होंने वरिष्ठ नेता शरद पवार की माता शारदाबाई पवार की विचारधारा को आगे बढ़ाने की भी बात कही और कहा कि अब उनका पूरा फोकस महाराष्ट्र और उसके लोगों के कल्याण पर रहेगा।

राज्यसभा सीट पर कौन होगा उम्मीदवार?

कार्यक्रम में मौजूद पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके नेतृत्व का समर्थन किया। एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल ने घोषणा की कि राज्यसभा की खाली हुई सीट के लिए पार्थ पवार पार्टी के उम्मीदवार होंगे। यह सीट सुनेत्रा पवार के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए कितने वोट जरूरी?

सुनेत्रा पवार जून 2024 में लोकसभा चुनाव हारने के बाद एनसीपी से राज्यसभा के लिए निर्विरोध चुनी गई थीं। प्रफुल्ल पटेल ने कहा कि जीत के लिए 37 वोट जरूरी हैं और पार्टी को 40 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। उन्हें भरोसा है कि सभी विधायक पार्थ पवार के पक्ष में मतदान करेंगे।

अजीत पवार प्लेन क्रैश : महाराष्ट्र सीआईडी की 'प्रोफेशनल जांच' का भरोसा, रोहित पवार ने एफआईआर के लिए खोला मोर्चा

मुम्बई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की जान लेने वाले बारामती विमान हादसे की जांच अब एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गई है। महाराष्ट्र क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) ने इस मामले में एक 'गहन और पेशेवर' जांच का वादा किया है। इस बीच, अजित पवार के परिवार और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने विमान संचालक कंपनी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने की मांग तेज कर दी है।

महाराष्ट्र क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट (सीआईडी) 28 जनवरी को बारामती में हुए दुखद प्लेन क्रैश की पूरी और प्रोफेशनल जांच कर रहा है, जिसमें पूर्व डिप्टी चीफ मिनिस्टर अजीत पवार और चार अन्य लोगों की जान चली गई थी। अधिकारियों ने ज़ोर देकर कहा कि उनका मुख्य काम यह पता लगाना है कि वीएसआर वेंचर्स द्वारा ऑपरेट किए जाने वाले लियरजेट-45 से जुड़ी इस दुर्घटना में कोई तोड़-फोड़ या क्रिमिनल लापरवाही तो नहीं थी। सीआईडी टीमों ने पुणे जिले में क्रैश साइट से पहले ही काफी सबूत इकट्ठा कर लिए हैं, जो सभी फैक्टर्स की बारीकी से जांच करने के उनके कमिटमेंट को दिखाता है।

एक बड़ा कदम उठाते हुए, राकांपा (सपा) विधायक रोहित पवार और उनके चचेरे भाई युगेंद्र पवार ने गुरुवार को बारामती तालुका पुलिस स्टेशन का रुख किया और वीएसआर वेंचर्स और उसके डायरेक्टर्स के खिलाफ एफआईआर की मांग की। अजीत पवार के लिए 'न्याय' की मांग करते हुए पोस्टर लहरा रहे समर्थकों के सपोर्ट में, दोनों ने एक फॉर्मल कंप्लेंट दी, जो रोहित पवार द्वारा मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन में पहले की गई फाइलिंग से मिलती-जुलती है। युगेंद्र पवार ने डायरेक्टरेट जनरल ऑफ़ सिविल एविएशन के हाल ही में सेफ्टी नियमों के उल्लंघन की वजह से चार वीएसआर एयरक्राफ्ट को ग्राउंड करने के मामले पर ज़ोर दिया और इसे संभावित क्रिमिनल लापरवाही का सबूत बताया।

रोहित पवार ने मुंबई पुलिस पर एफआईआर दर्ज करने से मना करने का आरोप लगाया, उनका दावा है कि इससे क्रैश के हालात पर शक बढ़ता है और इससे लगता है कि सरकार को ज़िम्मेदार लोगों को सुरक्षा देनी चाहिए। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, 'पुलिस के बर्ताव ने हमारे शक को और बढ़ा दिया है, ' और कसम खाई कि सपोर्टर अपनी मांगों पर ज़ोर देने के लिए बारामती में रैली करेंगे। बारामती में शुरुआती एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट सीआईडी पुणे को ट्रांसफर कर दी गई थी, लेकिन परिवार का कहना है कि अगर लापरवाही की पुष्टि होती है तो एफआईआर ज़रूरी है, खासकर इसलिए क्योंकि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो ने अभी तक अपनी शुरुआती जांच रिपोर्ट जारी नहीं की है।

'स्मार्ट आंगनवाड़ी' योजना में महाराष्ट्र देश में अग्रणी

राज्य में 24,700 से अधिक स्मार्ट किट वितरित- महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई । 'स्मार्ट आंगनवाड़ी' राज्य में लागू की जा रही एक अभिनव योजना है और इस योजना में महाराष्ट्र देश में अग्रणी बन गया है। अब तक राज्य की 24,700 से अधिक आंगनवाड़ियों को स्मार्ट किट वितरित की जा चुकी हैं, ऐसी जानकारी महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने विधान परिषद के प्रश्नकाल में दी।

इस संबंध में सदस्य उमा खापरे ने प्रश्न उठाया था, जबकि सदस्य प्रवीण दरेकर, सदाभाऊ खोत, चित्रा वाघ, प्रसाद लाड, राजेश राठोड, अमोल मिटकरी तथा जे. एम.डी. अभ्यंकर ने पूरक प्रश्न पूछे।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने बताया कि राज्य में कुल 1.10 लाख से अधिक आंगनवाड़ियाँ हैं और अब तक 24,700 से अधिक आंगनवाड़ियों को स्मार्ट किट उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। सरकार ने प्रति वर्ष 5,000 आंगनवाड़ियों को स्मार्ट किट प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया है और इसके लिए लगभग 90 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। स्मार्ट

किट प्रदान करते समय संबंधित आंगनवाड़ी भवन का स्वामित्व सरकार के पास होना अनिवार्य है।

स्मार्ट किट के लिए निविदा प्रक्रिया 3 वर्ष की अवधि के लिए की जाती है, तथापि प्रशासनिक स्वीकृति एवं कार्यारंभ आदेश प्रत्येक वर्ष दिए जाते हैं। यह प्रक्रिया शासन के वित्तीय नियमों के अनुसार संचालित की जाती है।

पालघर जिले में यदि आंगनवाड़ी स्थानांतरण के प्रकरण लंबित हैं तो जिला अधिकारी को प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए जाएंगे। नई आंगनवाड़ियों के लिए जिला नियोजन के 3 प्रतिशत आरक्षित निधि से प्राथमिकता के आधार पर प्रावधान किया जाएगा। टेक होम राशन संबंधी निर्देशों के अनुसार संशोधन हेतु केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है। जनप्रतिनिधियों से प्राप्त अभिप्राय के आधार पर संशोधित मानकों के अनुसार पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा। नई शिक्षा नीति के अनुरूप आंगनवाड़ी सेविकाओं एवं सहायिकाओं को विद्यालय शिक्षा विभाग के समन्वय से प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, ऐसा मंत्री अदिति तटकरे ने बताया।

सामाजिक कार्य महाविद्यालयों के लंबित प्रश्न शीघ्र सुलझाए जाएंगे- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल

मुंबई ।राज्य के सभी सामाजिक कार्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों और कर्मचारियों की विभिन्न लंबित मांगों पर सरकार सकारात्मक दृष्टिकोण अपना रही है तथा अनेक निर्णय प्रक्रिया में हैं, ऐसी जानकारी उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांतदादा पाटिल ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद सदस्य अभिजीत वंजारी ने प्रश्नचिह्न के माध्यम से यह मुद्दा उठाया कि वर्ष 2024 में राज्य के सभी सामाजिक कार्य महाविद्यालयों को समाज कल्याण विभाग से उच्च शिक्षा विभाग में स्थानांतरित किए जाने के बाद शिक्षकों एवं गैर-शिक्षकीय कर्मचारियों के विभिन्न प्रश्न लंबित हैं। इस पर मंत्री पाटिल ने सदन को अवगत कराया कि ये महाविद्यालय लंबे समय तक समाज कल्याण विभाग के अधीन थे। स्थानांतरण के पश्चात संबंधित विषयों पर कई बैठकें आयोजित की गई हैं और चरणबद्ध तरीके से निर्णय लिए जा रहे हैं।

लक्षवेधी के उत्तर में मंत्री पाटिल ने बताया कि शासन निर्णय के अनुसार सामाजिक कार्य महाविद्यालयों के प्राध्यापकों के लिए नकद योजना लागू की गई है। साथ ही शिक्षकों एवं गैर-

शिक्षकीय कर्मचारियों के लिए चिकित्सा प्रतिपूर्ति योजना भी लागू की गई है। आश्वसित प्रगति योजना 10-20-30 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया जारी है तथा अर्जित अवकाश नकदीकरण का प्रश्न भी शीघ्र हल किया जाएगा।

मंत्री पाटिल ने जानकारी दी कि सामाजिक कार्य महाविद्यालयों में प्राध्यापकों की वर्तमान सेवानिवृत्ति आयु 60 वर्ष है तथा इसे 62 वर्ष करने का प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है। उन्होंने कहा कि कला, विज्ञान और वाणिज्य महाविद्यालयों की भाँति वेतन और अनुदान नियम सामाजिक कार्य महाविद्यालयों पर भी लागू रहेंगे।

विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर नए ढाँचे को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया जारी है। विद्यार्थी संख्या के सत्यापन के बाद विश्वविद्यालय आवश्यक पदों का पुनर्वितरण करेगा। संबंधित महाविद्यालय रोस्टर पूर्ण कर अनापत्ति प्रमाणपत्र प्राप्त करने के पश्चात भर्ती प्रक्रिया लागू की जाएगी। इसी प्रकार सरकार जून तक प्राध्यापकों की भर्ती पूर्ण करने का प्रयास कर रही है, ऐसा उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल ने कहा।

जालना जिले के मंठा में औद्योगिक विकास निगम क्षेत्र स्थापित करने संबंधी बैठक शीघ्र- उद्योग राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक

मुंबई। जालना जिले के मंठा में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम का औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के विषय में सरकार सकारात्मक है तथा राज्य के सभी औद्योगिक क्षेत्रों की समीक्षा हेतु शीघ्र बैठक आयोजित की जाएगी, ऐसी जानकारी उद्योग राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद सदस्य राजेश राठोड ने जालना जिले के मंठा में महाराष्ट्र औद्योगिक विकास निगम का औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने संबंधी प्रश्न उठाया था। इस पर उद्योग राज्य मंत्री इंद्रनील नाईक ने अपना सकारात्मक दृष्टिकोण स्पष्ट किया। सदस्य सतेज उर्फ बंटी पाटिल, अभिजीत वंजारी, प्रवीण दरेकर तथा शशिकांत शिंदे ने भी पूरक प्रश्न पूछे।

इस संबंध में मंत्री नाईक ने कहा कि मंठा में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने के लिए 25 हेक्टेयर से अधिक भूमि की आवश्यकता है। शासकीय भूमि की उपलब्धता के संबंध में तहसीलदार को पत्र भेजा गया है। साथ ही उन्होंने बताया कि मंठा में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित होने के बाद स्थानीय नागरिकों को बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध होगा।

उद्योग राज्य मंत्री नाईक ने कहा कि औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना के विषय में संबंधित अधिकारियों की बैठक इसी अधिवेशन के दौरान आयोजित की जाएगी और इस बैठक में राज्य के सभी औद्योगिक क्षेत्रों की समीक्षा की जाएगी।

जनगणना 2027 के अंतर्गत गृह सूचीकरण पर 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर उत्साहपूर्वक प्रारंभ

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

नगर आयुक्त तथा मुख्य जनगणना अधिकारी डॉ. कैलाश शिंदे ने कहा कि जनगणना से प्राप्त जानकारी विकास के लक्ष्य और नीतियाँ निर्धारित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है, इसलिए यह कार्य सावधानीपूर्वक और त्रुटिरहित किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र जनगणना कार्य संचालनालय द्वारा जनगणना 2027 की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इस संदर्भ में नवी मुंबई महानगरपालिका के प्रथम चरण के लिए गृह सूचीकरण खंड गठन विषय पर प्रभारी अधिकारियों, अतिरिक्त प्रभारी अधिकारियों तथा जनगणना से संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में वे अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

हाल ही में नवी मुंबई महानगरपालिका के चुनाव अत्यंत सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुए और इसका संपूर्ण श्रेय क्षेत्र स्तर पर कार्यरत अधिकारियों और कर्मचारियों को जाता है। आयुक्त ने विश्वास व्यक्त किया कि महानगरपालिका के अधिकारी और कर्मचारी जनगणना

कार्य भी उसी जिम्मेदारी और दक्षता से संपन्न करेंगे। इस बार पहली बार जनगणना डिजिटल अर्थात् संख्यात्मक माध्यम से की जाएगी। आयुक्त ने निर्देश दिया कि तकनीकी प्रक्रिया को पूर्ण रूप से समझकर जिम्मेदारीपूर्वक कार्य किया जाए। इस प्रक्रिया से प्राप्त जानकारी महानगरपालिका की योजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन में भी उपयोगी सिद्ध होगी। उन्होंने दैनिक कार्यों पर ध्यान देते हुए नियोजित अवधि के भीतर अनुशासित ढंग से यह कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर जनगणना अधिकारी तथा विभाग 2 के उपआयुक्त श्री संजय शिंदे ने कहा कि जनगणना राष्ट्रीय स्तर का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है और पहली जनगणना 1872 में आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि यह देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है। इस जनगणना की विशेषता यह है कि यह पहली पूर्णतः डिजिटल अर्थात् संख्यात्मक जनगणना होगी, जिसमें चल दूरभाष अनुप्रयोग के माध्यम से जानकारी दर्ज की जाएगी तथा पतों का भू-अंकन किया जाएगा। प्रथम चरण में गृह सूची समूहों के अनुसार जानकारी संकलित की जाएगी। इस संबंध में आयोजित 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में दी जाने वाली जानकारी को गंभीरतापूर्वक समझना आवश्यक है।

इस 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में 6 सत्र आयोजित किए गए हैं। जनगणना संचालनालय की निदेशक श्रीमती तेजल कातारें तथा सांख्यिकी विधि अधिकारी तुषार पाटिल जनगणना प्रक्रिया की संपूर्ण जानकारी पर प्रस्तुतीकरण देंगे। आज प्रथम दिवस का प्रशिक्षण सत्र सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

जलगांव जिले की धामंडे समूह ग्राम पंचायत में अनियमितताएँ, संपूर्ण जाँच की जाएगी- ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे

मुंबई । जलगांव जिले के मुक्ताईनगर तालुका की धामंडे समूह ग्राम पंचायत में 2020-21 से 2024-25 के दौरान 15वें वित्त आयोग निधि में बड़े पैमाने पर अनियमितताएँ होने का प्राथमिक जाँच में खुलासा हुआ है। इस प्रकरण की एक माह के भीतर विस्तृत जाँच पूरी की जाएगी तथा दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी ग्रामीण विकास मंत्री जयकुमार गोरे ने विधान परिषद में दी।

विधान परिषद में सदस्य शशिकांत शिंदे और सतेज उर्फ बंटी पाटिल द्वारा पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मंत्री गोरे ने कार्यों की स्वीकृति प्रक्रिया में पाए गए गंभीर त्रुटियों की विस्तृत जानकारी दी और बताया कि उन्होंने गहन जाँच के आदेश दिए हैं।

मंत्री गोरे ने कहा कि बोजामाफ पुस्तिका में कार्यों का विवरण दर्ज है तथा कुछ स्थानों पर छायाचित्र संलग्न किए गए हैं, किंतु कार्य का स्पष्ट स्थान अंकित नहीं है। कुछ स्थानों पर भू-अंकनयुक्त छायाचित्रों के स्थान पर साधारण छायाचित्र लगाए गए हैं, जबकि तीन स्थानों पर कोई छायाचित्र उपलब्ध नहीं है। कार्य स्थल का उल्लेख किए बिना अनुमानित व्यय तैयार कर कार्य स्वीकृत करना अत्यंत गंभीर विषय है, यह भी मंत्री गोरे ने सदन को बताया।

मंत्री गोरे ने कहा कि प्रारंभिक प्रतिवेदन में त्रुटियाँ पाए जाने के कारण इस प्रकरण में उप अभियंता, ग्रामीण विकास अधिकारी, संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच तथा अन्य जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी जाँच की जाएगी।

मध्य रेल के मुंबई मंडल ने स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं में की वृद्धि

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मध्य रेल अपने पूरे नेटवर्क में स्टेशन सुविधाओं को बढ़ाकर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को बेहतर बनाने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखे हुए है। सभी यात्रियों के लिए आरामदायक, सुलभ और निर्बाध यात्रा अनुभव सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन और स्थापना कार्य किए गए हैं।

जनवरी 2026 में मुंबई मंडल द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार हैं:

यात्री सुविधा

एस्केलेटर:

4 नए एस्केलेटर लगाए गए हैं, जिनमें कसारा स्टेशन पर 2 एस्केलेटर और बदलापुर स्टेशन पर 2 एस्केलेटर शामिल हैं।

लिफ्ट:

2 नई लिफ्ट लगाई गई हैं, जिनमें वांगनी स्टेशन पर 1 लिफ्ट और बदलापुर स्टेशन पर 1 लिफ्ट शामिल हैं।

ये एस्केलेटर और लिफ्ट वरिष्ठ नागरिकों, गर्भवती महिलाओं, दिव्यांगजनों और अन्य यात्रियों को बहुत राहत प्रदान करते हैं। ये यात्रियों को यात्रा के लिए प्लेटफॉर्म बदलने के लिए सुगम और सुरक्षित आवागमन में सक्षम बनाते हैं।

बीएलडीसी पंखे:

विभिन्न स्टेशनों पर 142 नए ब्रशलेस डायरेक्ट करंट (बीएलडीसी) पंखे लगाए गए हैं और 289 पुराने बीएलडीसी पंखों को नए पंखों से बदला गया है।

बीएलडीसी पंखे ब्रशलेस डीसी मोटर का उपयोग करते हैं, जो पारंपरिक इंडक्शन मोटर वाले पंखों की तुलना में अधिक ऊर्जा कुशल और कम शोर वाले होते हैं। इनमें कार्बन ब्रश के स्थान पर इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर और स्थायी चुंबक का उपयोग किया जाता है, जिससे ऊर्जा की खपत 50 से 70इ तक कम हो जाती है।

एचवीएलएस पंखे:

दादर स्टेशन के विभिन्न प्लेटफार्मों पर 8 नए हाई वॉल्यूम लो स्पीड (एचवीएलएस) पंखे लगाए गए हैं।

एचवीएलएस पंखे बड़ी मात्रा में हवा को धीरे-धीरे प्रवाहित करते हैं, जिससे बड़े स्थानों में कुशल शीतलन और वेंटिलेशन होता है, जो ऊर्जा की बचत और उच्च ऊर्जा लागत के बिना आराम प्रदान करता है।

ऊर्जा बचत,बेहतर रोशनी

ऊर्जा कुशल एलईडी लाइटें:

विभिन्न स्टेशनों पर 362 नई एलईडी लाइटें लगाई गई हैं और 1635 पुरानी एलईडी लाइटों को नई लाइटों से बदला गया है।

ये एलईडी लाइटें ऊर्जा कुशल हैं, इनकी जीवन अवधि लंबी है और रखरखाव व प्रतिस्थापन लागत कम है। ये बेहतर रोशनी प्रदान करती हैं और पर्यावरण के अनुकूल हैं।

यात्री मार्गदर्शन एवं सूचना

मेल और एक्सप्रेस ट्रेन डिस्प्ले बोर्डः

लोकमान्य तिलक टर्मिनस पर कुल 4 नए ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें 2 इनडोर डिस्प्ले बोर्ड और 2 आउटडोर डिस्प्ले बोर्ड शामिल हैं।

नए उपनगरीय ट्रेन इंडिकेटर:

नेरुल, पनवेल, डॉकयार्ड रोड, शिवड़ी, रे रोड सहित विभिन्न स्टेशनों पर कुल 56 नए उपनगरीय इंडिकेटर लगाए गए हैं। इसमें नेरुल फुट ओवर ब्रिज पर लगाए गए 6 नए उपनगरीय इंडिकेटर भी शामिल हैं।

विभिन्न स्टेशनों पर पुराने इंडिकेटर को भी नए से बदल दिया गया है।

ये नए इंडिकेटर देखने में आकर्षक हैं और इनमें स्पष्टता भी बेहतर है।

मध्य रेल आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे में सुधार करके यात्रियों के समग्र अनुभव को बेहतर बनाने के लिए स्टेशन सुविधाओं को उन्नत करने के अपने प्रयासों में दृढ़ है।

ये पहलें यात्री-अनुकूल रेलवे नेटवर्क की परिकल्पना के अनुरूप हैं, जो सुगमता, सुविधा और सुरक्षा पर बल देती हैं।

सम्पादकीय

विमान सुरक्षा की कसौटीः बढ़ते हादसे और गिरता भरोसा

झारखंड में चतरा जिले के कर्माटाड जंगल में सोमवार शाम एक चार्टर्ड एअर एंबुलेंस के हादसे का शिकार होने और उसमें सभी सात लोगों की मौत ने एक बार फिर इस सवाल को गहरा किया है कि क्या दिनोंदिन विमान सेवाएं असुरक्षित होती जा रही हैं। गौरतलब है कि एक मरीज और उनके परिजनों को दिल्ली ले जा रही एअर एंबुलेंस मौसम खराब होने की वजह से मार्ग बदलने की कोशिश कर रही थी। मगर थोड़ी देर बाद यह विमान रडार से गायब हो गया और कुछ समय बाद उसका मलबा घने जंगल में मिला।

यह हादसा पिछले कुछ समय से लगातार सामने आ रही वैसी घटनाओं की एक कड़ी है, जिनसे विमान यात्रा के पूरी तरह सुरक्षित होने की धारणा कमजोर होती है। झारखंड में हुए हादसे के अगले ही दिन मंगलवार को दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान को तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारना पड़ा।

इसके अलावा, सरकारी कंपनी पवन हंस के एक हेलिकाप्टर को अंडमान क्षेत्र में उड़ान के दौरान तकनीकी कारणों से समुद्र में आपात अवस्था में उतारना पड़ा। गनीमत रही कि इसमें सवार सभी सात लोगों को बचा लिया गया। दो दिन के भीतर होने वाली ये घटनाएं बताती हैं कि हाल के वर्षों में यात्रा के एक बेहतर विकल्प के रूप में उभर रही विमान सेवा अब कई स्तर पर जोखिम से गुजर रही है। जबकि विमान यात्रा को कहीं आने-जाने का सबसे सुरक्षित जरिया माना जाता रहा है।

आखिर क्या वजह है कि पिछले कुछ समय से लगातार विमानों के हादसे का शिकार होने से लेकर उड़ान के बाद तकनीकी खराबी के कारण वापस उतारने की घटनाओं में बढ़ोतरी हो रही है? विमान सेवाओं के मामले में एक आम स्थिति यह है कि समय-समय पर तकनीकी स्तर पर हर पहलू से उच्च स्तरीय जांच होती है और हर कसौटी पर खरा उतरने के बाद ही उसे उड़ान के लिए तैयार माना जाता है।

हर उड़ान के पहले सुरक्षा जांच की एक सघन प्रक्रिया पूरी की जाती है, ताकि बीच रास्ते में कोई अड़चन न आए। मगर हाल के समय में कई विमानों की उड़ान के बाद रास्ते में तकनीकी खराबी का पता चलने पर वापस उतारने की घटनाएं यह बताती हैं कि या तो तकनीकी स्तर पर उसमें कोई खराबी थी या फिर सुरक्षा जांच में किसी स्तर पर कमी की गई।

इसी महीने के शुरू में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि भारतीय विमान सेवा के जिन विमानों की तकनीकी जांच हुई, उनमें से लगभग आधे में बार-बार खराबी पाई गई।

इस क्रम में पिछले वर्ष जनवरी से छह बड़ी एअरलाइंस के 754 विमानों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 377 में बार-बार खामी आने की बात सामने आई। सवाल है कि इन विमानों में जो गड़बड़ियां पाई गईं, वे कितनी संवेदनशील थीं और उनसे पैदा होने वाले जोखिम का स्तर क्या था। अगर किसी तकनीकी खामी को नजरअंदाज करके या उसे सुरक्षा से संबंधित नहीं मान कर उड़ान की इजाजत दी जाती है, तो अक्सर ऐसी घटनाएं क्यों सामने आ रही हैं कि किसी तकनीकी खराबी की वजह से विमान को बीच सफर से आपात स्थिति में वापस उतारा गया?

विमान यात्रा को सबसे सुरक्षित जरूर माना जाता है, लेकिन इसकी सुरक्षा से जुड़े हर पहलू बेहद संवेदनशील भी होते हैं। इसमें किसी भी स्तर पर अनदेखी, कोताही या खराबी की आशंका के बावजूद उड़ान की इजाजत देने के गंभीर और त्रासद नतीजे सामने आ सकते हैं।

मोदी युग : एक राष्ट्रीय नेतृत्व से वैश्विक नेतृत्व तक की यात्रा

प्रोफ़ेसर डॉ दयानंद तिवारी
प्रवक्ता भाजपा,
मुंबई, महाराष्ट्र

प्रो. दयानंद तिवारी
प्रवक्ता, भाजपा – मुंबई, महाराष्ट्र

21वीं सदी का तीसरा दशक विश्व राजनीति के लिए परिवर्तनकारी काल है। वैश्विक अर्थव्यवस्था अस्थिर है, भू-राजनीतिक तनाव चरम पर हैं, तकनीकी क्रांति समाज को पुनर्परिभाषित कर रही है और मानवता जलवायु संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है। ऐसे समय में यदि किसी नेता ने अपने राष्ट्र को आत्मविश्वास के साथ वैश्विक मंच पर स्थापित किया है, तो वह हैं भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी। यह केवल एक व्यक्ति का उत्कर्ष नहीं, बल्कि एक युग का उदय है – 'मोदी युग'।

विचारधारा की स्पष्टता : राष्ट्र प्रथम

मोदी युग की नींव 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर टिकी है। यह विचारधारा केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि शासन की दिशा है। निर्णयों में साहस, नीतियों में स्पष्टता और कार्यान्वयन में दृढ़ता – यही इस नेतृत्व की पहचान बनी। धारा 370 का निरसन, तीन तलाक पर कानून, नागरिकता संशोधन जैसे निर्णयों ने यह संदेश दिया कि सरकार कठिन निर्णय लेने से पीछे नहीं हटेगी।

प्रधानमंत्री मोदी का एक प्रसिद्ध कथन है कि -

हम समस्याएँ टालने के लिए नहीं, समाधान निकालने के लिए सत्ता में आए हैं।'

यह वैचारिक स्पष्टता ही वैश्विक नेतृत्व का प्रथम आधार है, क्योंकि विश्व उसी नेता को गंभीरता से लेता है जिसकी दिशा स्पष्ट हो।

विकास का भारतीय मॉडल : समावेश और नवाचार

मोदी युग में भारत ने विकास का ऐसा मॉडल प्रस्तुत किया जिसमें परंपरा और प्रौद्योगिकी का संतुलन है। 'डिजिटल इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया', 'मेक इन इंडिया', 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों ने भारत को नवाचार की प्रयोगशाला बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा है कि -

'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास – यही नए भारत का मंत्र है।'

आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। यूपीआई जैसी डिजिटल भुगतान प्रणाली ने वित्तीय समावेशन का वैश्विक उदाहरण प्रस्तुत किया। करोड़ों लोगों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ना, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से पारदर्शिता लाना और आधार आधारित डिजिटल पहचान प्रणाली स्थापित करना – यह प्रशासनिक नवाचार का परिणाम है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की इन पहलों की चर्चा होती है। भारत अब 'नीति आयातक' नहीं, बल्कि 'नीति निर्यातक' राष्ट्र के रूप में देखा जा रहा है।

सॉफ्ट पावर और सांस्कृतिक पुनर्जागरण

मोदी युग का एक महत्वपूर्ण आयाम है – भारतीय संस्कृति का वैश्विक पुनर्स्थापन। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की मान्यता इसका सर्वोत्तम उदाहरण है। आज 190 से अधिक देशों में योग दिवस मनाया जाता है।

मोदी जी ने संयुक्त राष्ट्र में कहा था–

'योग मानवता को जोड़ने का माध्यम है।'

भारतीय सभ्यता, अध्यात्म, आयुर्वेद और लोकतांत्रिक परंपरा को विश्व के सामने सशक्त रूप से प्रस्तुत करना इस नेतृत्व की विशेषता रही है। वैश्विक मंचों पर पारंपरिक भारतीय परिधान और सांस्कृतिक प्रतीकों का प्रयोग एक आत्मविश्वासी राष्ट्र का संकेत देता है। यह सांस्कृतिक आत्मगौरव भारत की सॉफ्ट पावर को सुदृढ़ करता है।

कूटनीति : संतुलन और सामर्थ्य

मोदी युग की विदेश नीति बहुआयामी और संतुलित रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू सहित विश्व के प्रमुख नेताओं के साथ भारत के संबंधों में स्थिरता और सम्मान दिखाई देता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एक अवसर पर कहा–

'भारत और अमेरिका का संबंध लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित है, और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में यह संबंध और मजबूत हुआ है।'

रूस-यूक्रेन संकट के दौरान भारत ने संतुलित रुख अपनाया – न किसी गुट में पूर्णतः झुका, न अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता छोड़ी। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' भारत को वैश्विक मध्यस्थ के रूप में स्थापित करती है।

मोदी जी का कथन –

'आज का युग युद्ध का नहीं है'

विश्व मंच पर शांति और संवाद की भारतीय नीति को दर्शाता है।

वैश्विक संकटों में भारत की भूमिका

कोविड-19 महामारी के दौरान 'वैक्सीन मैत्री' कार्यक्रम के माध्यम से भारत ने अनेक देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराई। यह केवल चिकित्सा सहायता नहीं थी, बल्कि मानवता के प्रति उत्तरदायित्व का प्रदर्शन था। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान भारत ने 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश दिया –

'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य।'

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी भारत की भूमिका की सराहना करते हुए कहा–

'भारत वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूती से उठा रहा है।'

मोदी युग में भारत केवल अपने हितों की रक्षा नहीं करता, बल्कि वैश्विक हितों की भी चिंता करता है।

डिजिटल नेतृत्व और जनसंवाद

प्रधानमंत्री मोदी ने संवाद की नई परंपरा स्थापित की। 'मन की बात' जैसे कार्यक्रमों ने शासन को जन-भागीदारी से जोड़ा। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर करोड़ों लोगों का जुड़ाव यह दर्शाता है कि यह नेतृत्व पारंपरिक राजनीति से आगे बढ़ चुका है।

मोदी जी का एक प्रेरक वाक्य है–

'नए भारत का निर्माण युवा शक्ति के संकल्प से होगा।'

शोध, नवाचार और भविष्य दृष्टि

सेमीकंडक्टर निर्माण, हरित ऊर्जा, अंतरिक्ष अनुसंधान और रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। चंद्रयान और गगनयान मिशन ने भारत को अंतरिक्ष शक्ति के रूप में स्थापित किया।

हरित हाइड्रोजन मिशन और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में पहलें भारत को भविष्य की ऊर्जा राजनीति में अग्रणी बनाती हैं।

मोदी जी का स्पष्ट दृष्टिकोण है–

'हम आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐसा भारत बनाना चाहते हैं जिस पर वे गर्व कर सकें।'

प्रभाव के कारण

निर्णायक नेतृत्व – संकट के समय स्पष्ट निर्णय

सांस्कृतिक आत्मविश्वास – भारतीय पहचान का गर्वपूर्ण प्रदर्शन

आर्थिक सुधार – पारदर्शिता और तकनीक आधारित प्रशासन

रणनीतिक कूटनीति – संतुलन और स्वायत्तता

जनसंपर्क कौशल – प्रत्यक्ष संवाद और डिजिटल उपस्थिति

अतः 'मोदी युग' केवल शासन की अवधि नहीं, बल्कि भारत के आत्मविश्वास का पुनर्जागरण है। यह वह काल है जब भारत ने स्वयं को वैश्विक मंच पर एक निर्णायक शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया।

आज विश्व भारत को केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि समाधान प्रदाता राष्ट्र के रूप में देख रहा है। यह परिवर्तन आकस्मिक नहीं, बल्कि विचार, शोध, नवाचार और निरंतर परिश्रम का परिणाम है।

जब राष्ट्र की दिशा स्पष्ट हो, नेतृत्व दृढ़ हो और संकल्प अडिग हो, तब इतिहास नए अध्याय लिखता है।

मोदी युग उसी नए अध्याय का नाम है –

जहाँ भारत केवल सहभागी नहीं, बल्कि पथ-प्रदर्शक है।

सुंदरता का दार्शनिक विश्लेषण और पैमाना, हर खूबसूरती की तय उम्र होती है

इस सृष्टि में प्राणधारी से लेकर प्राणहीन तक और प्रकृति प्रदत्त से लेकर मानव निर्मित तक जितनी भी संरचनाएं या उपादान विद्यमान हैं, सभी सुंदर और असुंदर, दो श्रेणियों में वर्गीकृत हैं। कोई भी चीज या तो सुंदर है या फिर असुंदर। इन दोनों के बीच या इनके अतिरिक्त कोई तीसरी श्रेणी निर्धारित नहीं है। यों सुंदरता को परिभाषित कर पाना अपने आप में बहुत पेचीदा मामला है। दरअसल, सुंदरता को नापने का कोई सार्वभौम, सार्वकालिक और सार्वजनिक पैमाना नहीं है।

कहा गया है कि सुंदरता दृश्य में नहीं, बल्कि देखने वाले की दृष्टि में होती है। एक ही वस्तु, एक ही कृति या एक ही रूप किसी एक के लिए सुंदर हो सकती है और किसी दूसरे के लिए असुंदर। किसी को वह आकर्षित कर सकती है, तो किसी को विकर्षित। इसके अतिरिक्त, सुंदरता काफी हद तक देशकाल, अवसर और परिस्थिति पर भी निर्भर करती है। यह देखने वाले की सोच और नजरिए पर भी निर्भर करती है। इन सबके बावजूद यह कहा जा सकता है कि सुंदर और असुंदर की आम स्वीकृति के मामले में विरोधाभास की गुंजाइश बहुत कम है।

यह भी है कि सुंदर और असुंदर के मध्य भेद करने की प्रवृत्ति सिर्फ मनुष्य के पास ही है। अन्य प्रजातियों के लिए सब कुछ एक-सा, यानी सब धान बाईस पसेरी है। हालांकि पशुओं और पक्षियों के अंदर भय, क्रोध, हिंसा, ममता, भूख, प्यास, नींद, स्व रक्षा आदि भावनाएं होती हैं, लेकिन सुंदर और असुंदर की समझ उनमें नहीं होती है। सच यह कि उन्हें सुंदर-असुंदर से कोई लेना-देना भी नहीं होता है। उन्हें तो बस अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति भर से मतलब होता है। समस्त प्राणधारियों में होमो सेपियंस, यानी मानव ही एकमात्र ऐसी प्रजाति है, जिसके नर और मादा, दोनों ही अपने जीवन के हर क्षेत्र में सुंदरता के आग्रही होते हैं। ऐसा शायद इसलिए है कि उनके अंदर एक विकसित मस्तिष्क होता है और उस मस्तिष्क में सोचने-समझने और विश्लेषण करने की क्षमता होती है।

मानव स्वभावतः सुंदरता का पक्षधर है। लगभग सभी लोग सुंदरता के आग्रही होते हैं। कोई भी ऐसा नहीं, जो असुंदरता को स्वेच्छा से स्वीकार करे, लेकिन सच्चाई यह है कि सुंदरता की पहचान, पूछ और प्रशंसा असुंदरता की वजह से ही है। किसी भी गुण, भाव, बोध या दृश्य का मूल्यांकन सदैव सापेक्षता के आधार पर होता है। अच्छाई का अस्तित्व तभी तक है, जब तक उसके समांतर बुराई भी है। मिठाई का आकर्षण तभी तक है, जब तक उसके बरक्स तीखापन विद्यमान है। उजाले का महत्त्व अंधियारे के कारण है। ठीक इसी प्रकार असुंदरता ही वह अस्तित्व है, जो हमें सुंदरता का बोध कराता है, उसका महत्त्व स्थापित करता है और हमारी चेतना में सुंदरता के प्रति आकर्षण पैदा करता है।

हम सभी अपने जीवन में सब कुछ सुंदर ही चाहते हैं। जीवनपर्यंत सुंदरता पाने की ललक में भागते रहते हैं। उसे सहेजने की कोशिश में हलकान रहते हैं, लेकिन क्या हम वैसा करने में सफल हो पाते हैं? इसका उत्तर है- नहीं। लाख कोशिशों के बावजूद आखिर हमें असफलता ही हाथ लगती है। सुंदरता साथ छोड़ सकती है, लेकिन असुंदरता नहीं।

सुंदरता के आकर्षण में पागल बने हम यह ध्रुव सत्य भूल जाते हैं कि असुंदरता की व्याप्ति सुंदरता के मुकाबले बहुत अधिक है। सुंदरता की अंतिम परिणति असुंदरता में ही होती है। सुंदरता अल्पकालिक होती है, जबकि असुंदरता दीर्घजीवी। सुंदरता गतिशील होती है, लेकिन असुंदरता स्थावर। इसके अतिरिक्त सुंदरता की सीमा होती है, यानी कोई चीज कम सुंदर होगी, कोई चीज अधिक सुंदर होगी और कोई उससे भी अधिक सुंदर, लेकिन जो असुंदर है, वह सदैव एक-सा बना रहता है।

प्रकृति का नियम है कि हर सुंदर को एक निश्चित अवधि के बाद असुंदर हो जाना होता है। प्रातःकाल डाल पर खिला, झूमता, हर मन को रिझाता सुंदर फूल शाम होते-होते कुम्हलाने लगता है। यौवन काल में अपने रूप के लावण्य का स्वामी रहा कोई व्यक्ति- स्त्री या पुरुष प्रौढ़ होने की तरफ बढ़ने के साथ ही अपना सामान्य सौंदर्य खोने लगता है। वृद्धावस्था आने तक सारा सलोनापन उड़न-छू हो जाता है और असुंदरता उसमें घर बना कर ठहर जाती है।

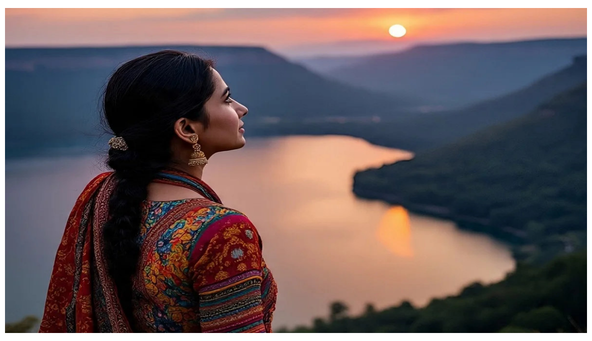

इसी प्रकार, राह चलते लोगों की धड़कन बढ़ाने वाले सुंदर, सुकांत छबीले युवक आयु के तीसरे दशक तक आते-आते अपने सौष्ठव का आकर्षण खो बैठते हैं। कृत्रिम तरीकों का सहारा लेकर कोई लाख यत्न करे, लेकिन सुंदरता टिकती नहीं है। आखिरकार वही असुंदरता आखिर अपना कब्जा जमा लेती है, जिसे हमने अपने आग्रहों के कारण असुंदर घोषित किया था।

इतिहास साक्षी है कि सुंदरता आदिकाल से ही मानव समाज में अशांति और उपद्रव का कारण बनती रही है। पौराणिक काल से लेकर वर्तमान तक, जितने भी युद्ध, संधि और खून-खराबे हुए हैं, सब सुंदरता पर अधिकार के लिए भी हुए हैं। इसके पीछे न जाने कितनी जानें चली गईं और न जाने कितनी सत्ताएं मिट गईं। इतिहास में वर्णित कहानियां इसकी पुष्टि करती हैं। बावजूद इसके मनुष्य है कि इतिहास से सबक लेने को तैयार नहीं है। वह सुंदरता का मोह त्याग नहीं पाता है।

दरअसल, दिन और रात, धूप और छांव तथा सुख और दुख की ही तरह सुंदर और असुंदर भी एक ही सिक्के के दो पहलू की तरह हैं। इनकी गति को रोक सकना और इनके प्रभाव से बच सकना नितांत असंभव है। कुदरत का अपना नियम है और अपने नियम में वह रंचमात्र भी हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करती है। आज जो सुंदर है, कल उसे असुंदर होना ही है। इसलिए श्रेयस्कर यही है कि हम सुंदर और असुंदर को समभाव से लें।

एरिया 51 को लेकर ओबामा ने ऐसा क्या बोला? ट्रंप ने दिया एलियंस की फाइल्स खोलनने का आदेश

उत्तरी गोलार्ध में दिन होता है तब दक्षिणी गोलार्ध में रात होती है। उधर लोग स्कूल-दफ्तर जाते हैं तो इधर लोग सोने के लिए आंखें बंद करते हैं। दिन और रात के इस फर्क में कुछ घड़ी सब विश्राम करते हैं। 1980 का दशक अमेरिका में एलियन और यूएफओ वाली कॉनंस्परेसी थ्योरी की धूम मची हुई थी। कुछ कमर्शियल पायलट्स ने नवाडा इलाके में उनके ऊपर उड़ रही किसी चमकीनी तस्करी की फोटो खींच ली थी। दावा किया जा रहा था कि हो ना हो यह यूएफओस हैं। यानी कि एलियन के स्पेसक्राफ्ट। सभी का ध्यान नवाडा के रेगिस्तान के बीचों-बीच मौजूद अमेरिका के एक सीक्रेट बेस की ओर जा रहा था। हर किसी को पता था कि रेगिस्तान के अंदर एक ऐसी जगह है जहां आम लोगों का जाना मना है। हथियार बन गाड्र्स इसकी सुरक्षा करते हैं। लेकिन इस जगह का नाम बताना तो दूर अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती थी कि ऐसी भी कोई जगह एकिस्ट करती है। मई 1989 में एक अमेरिकी न्यूज़ चैनल के एस टीवी ने यूएफओ द बेस्ट एविडेंस के नाम से शो शुरू कर दिया। जिसमें रॉबर्ट लेज़र नाम का एक बंदा यह दावा करता है कि वो इस सीक्रेट बेस पर काम कर चुका है। उसने यहां एलियंस की बॉडीज और एलियंस के नौ स्पेसक्राफ्ट देखे हैं। रॉबर्ट यह तक दावा करता है कि सीक्रेट बेस पर अमेरिका रिवर्स इंजीनियरिंग कर रहा है। यानी एलियन की टेक्नोलॉजी से नए हथियार और नए स्पेसक्राफ्ट बनाए जा रहे हैं और सबूत के तौर पर तरह-तरह की फोटो सबमिट करता है जो संदेह पैदा करने के लिए काफी होते हैं। खूब हंगामा होता है। अमेरिकी सरकार से सवाल पूछे जाते हैं। लेकिन अमेरिका सारे दावे खारिज कर देता है। अमेरिकी सरकार यह तक नहीं मानती कि नवाड़ा में ऐसी कोई जगह मौजूद भी है। लोगों का आज भी मानना है कि अमेरिका ने यहां एलियंस छिपा रखे हैं। अब एक बार फिर यह जगह चर्चा में है। कारण अमेरिकी राष्ट्रपति रहे बराक ओबामा का बयान। एक पॉडकास्ट में ओबामा ने एलियंस की मौजूदगी का दावा कर दिया है। ओबामा ने कहा है एलियंस होते हैं लेकिन एरिया 51 में नहीं रखे गए हैं। ओबामा के बयान के बाद एक बार फिर एरिया 51 विवादों में है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अब अमेरिकी रक्षा विभाग को यह आदेश दिया है कि एरिया 51, एलियन और यूएफओ से जुड़े जितने भी सीक्रेट फाइल्स अमेरिका में मौजूद हैं, उसकी पहचान की जाए। उन्हें पब्लिक किया जाए। ऐसे में आइए जानते हैं कि आखिरकार एरिया 51 है क्या? अमेरिका यहां क्या करता है? क्यों इस इलाके को इतना सीक्रेट बनाकर रखा गया है? क्या सचमुच अमेरिका ने यहां एलियंस और यूएफओ छिपा कर रखे हुए हैं? और अब ओबामा के दावे के बाद डोनाल्ड ट्रंप कौन से सीक्रेट फाइल्स पब्लिक करने वाले हैं? अमेरिका का 7वां सबसे बड़ा स्टेट नवाडा जिसकी पहचान लांस वेगास जैसे शहर है। शानो शौकत की जिंदगी, जहां जुआ भी लीगल है। इस चमक धमक से परे नवाजा स्टेट कुख्यात एरिया 51 के लिए है। जहां अमेरिका एटम बम का टेस्ट करता है। एरिया 51 लास वेगास से महज 134 किलोमीटर दूर है। एरिया 51 कंटीले पेड़ो का बियाबान है। दूर दूर तक फैला रेगिस्तान और अमेरिका का मिलिट्री बेस। नेवाडा का पता स्पेन ने लगाया था। सबसे पहले न्यू स्पेन नाम से कॉलोनी बनाई गई। 1821 में आजादी के बाद नेवाडा मेक्सिको का हिस्सा बना। अमेरिका और मेक्सिको के युद्ध के बाद से यहां पर यूएस का कब्जा है। अमेरिका यहां सुपर पावर डेडली वेपन तैयार करता है। एरिया 51 से मिले सुपरफाइटर का डंका दुनिया में बजता है।

कॉन्सपिरेसी थ्योरी ये भी है कि इस फैसलिटी में क्रैश हुआ एलियन स्पेस क्राफ्ट है। इंजीनियर रिवर्स इंजीनियरिंग के जरिए इसे बनाने में लगे हैं। इस 1950 की रोसवेल दुर्घटना से जोड़ा जाता है। पत्रकार एनी जैकबसन ने अपनी किताब एरिया 51 एन अनसेंसर्ड हिस्ट्री ऑफ अमेरिकाज टॉप सीक्रेट मिलिट्री बेस में इससे जुड़े चीजों के बारे में बताया। जैकबसेन ने अपनी किताब में लिखा कि इस इलाके की गोपनीयता एलियन की वजह से नहीं बल्कि गुप्त परमाणु परीक्षण और हथियारों के विकास में इसकी भागीदारी से थी। किताब में उन्होंने लिखा कि सूत्र ने दावा किया कि न्यू मैक्सिको में एक फ्लाइंड डिस्क क्रैश हुआ था। इस फ्लाइंग डिस्क को राइट पैटरसन वायु सेना बेस ले जाया गया। बाद में उस मलबे को 1951 में यहां लाया गया, जिसकी वजह से इस जगह का नाम एरिया 51 पड़ा।

यूएफओ को अक्सर लोग एलियंस के साथ जोड़ते हैं। लेकिन कोई भी ऐसी उड़ने वाली चीज जिसके ठीक ठीक पहचान न हो सके, उसके लिए भी ये टर्म इस्तेमाल होता है। जब और भी यूएफओ देखे जाने लगे और उसके दावे आएं तो एयरफोर्स ने उसकी जांच शुरू की और उसे प्रोजेक्ट ब्लू बुक का नाम दिया। बाद के सालों में भी यूएफओ देखे जाने की बात सामने आती रहीं। 1969 में अमेरिकी एयरफोर्स ने प्रोजेक्ट ब्लू बुक बंद कर दिया। इस समय तक वो यूएफओ देखे जाने के 12 हजार से ज्यादा दावों की जांच कर चुका था। प्रोजेक्ट ब्लू बुक तो खत्म हुआ लेकिन दक्षिणी नेवाडा में एरिया 51 के आसपास यूएफओ देखे जाने के दावे किए जाते रहे। क्योंकि इस प्रतिबंधित इलाके के आस पास आम लोग नहीं जा सकते। ये 24 घंटे और 365 दिन भारी सुरक्षा में रहती थी। तो इस जगह के बारे में कहानियां चल पड़ी। कहा तो ये भी जाता है यहां रिवर्स इंजिनियरिंग करके एलियंस की टेक्नोलॉजी समझने की कोशिश की जाती है। 80 के दशक में राबर्ट बॉब नाम के एक आदमी ने सामने आते हुए कहा कि वो एरिया 51 में काम करता था। राबर्ट का दावा था कि उनका काम परगृहियों से जुड़ी रिसर्च से जुड़ा था। उसने मीडिया को कुछ तस्वीरें भी दिखाई। उसके मुताबिक ये एरिया 51 में रखे गए एलियन के ऑटोप्सी की फोटो है। बाद में एरिया 51 में उसके काम करने का दावा झूठा निकला। इसके अलावा टाइम ट्रैवल को लेकर भी कई कहानियां हैं। कहा जाता है कि अमेरिका यहां पर समय में आगे और पीछे जाने की रिसर्च कर रहा है। कुछ कहते हैं कि नील आर्म स्ट्रांग चांद पर कभी उतरे ही नहीं। यहीं एरिया 51 में फोटो खींच कर कहा कि उसका अपोलो 11 मिशन चांद पर उतर गया। अगस्त 2013 में सूचना के अधिकार के तहत एक जानकारी मांगी गई। इसके जवाब में सीआईए को कुछ डॉक्यूमेंट डिक्वासीफाइड करने पड़े। इसी क्रम में फिर उस जगह के बारे में भी बताया गया। जो ला क्यू एयक्राफ्ट के निर्माण और टेस्टिंग से जुड़ी हुई थी। ये एरिया 51 जगह थी। जिसका पहली दफा तब ही सार्वजनिक जिक्र हुआ। अमेरिकी खुफिया विभाग सीआईए के अनुसार एरिया 51 में 1955 से सीक्रेट एयरक्रॉफ्ट की टेस्टिंग होती थी। जब से अमेरिकी सेना ने सीआईए के यू 2 जासूसी प्लेन की टेस्टिंग शुरू की थी तब से ही। दरअसल, कोल्ड वॉर के वक्त सोवियत और अमेरिका दोनों एक दूसरे की खूब जासूसी करते थे। ताकी दोनों को एक दूसरे के अगले कदम की जानकारी हो जाए। अमेरिकी एयरफोर्स और नेवी के दोनों टोही विमानों में बड़ा नुकसान हो रहा था। अमेरिका ने फिर यू टू विमान को लेकर आए।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा 14 फरवरी 2026 को रिलीज हुए 'नो लाइ विद ब्रायन टायलर कोहेन' पॉडकास्ट में पहुंचे थे। इस दौरान जब एक रैपिड-फायर सेगमेंट में उनसे पूछा गया कि क्या एलियंस असली हैं तो उन्होंने कहा था कि 'वे असली हैं लेकिन मैंने उन्हें नहीं देखा है और उन्हें एरिया 51 में नहीं रखा गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एलियंस से संबंधित गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करने के आदेश दिए हैं। उन्होंने 19 फरवरी को कहा है कि वह पेंटागन और दूसरी एजेंसियों को ळइध, ळैंझ और एलियन जीवन पर सरकारी फाइलों को डीक्लासिफाई करने और जारी करने का निर्देश दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि 'दिखाई गई ज़बरदस्त दिलचस्पी के आधार पर मैं सेक्रेटरी ऑफ वॉर और दूसरे संबंधित डिपार्टमेंट और एजेंसियों को एलियन और एक्स्ट्राटेरेस्ट्रियल जीवन से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने का निर्देश दूंगा। उन्होंने इस पोस्ट में लिखा कि अनआइडेंटिफाइड एरियल फेनोमेना (यूएपी) और अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) और इन बहुत मुश्किल लेकिन बहुत दिलचस्प और ज़रूरी मामलों से जुड़ी कोई भी और सभी दूसरी जानकारी से जुड़ी सरकारी फाइलों की पहचान करने और उन्हें रिलीज करने का प्रोसेस शुरू करने का निर्देश दूंगा। गॉड ब्लेस अमेरिका!

मैक्स अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम का सफल इलाज किया; उन्नत डीआईपीएस प्रक्रिया से लिवर ट्रांसप्लांट टला

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, लखनऊ, के डॉक्टरों ने लिवर की नसों में अचानक हुई रुकावट, एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम के एक दुर्लभ और जानलेवा मामले का सफल इलाज किया। उन्नत और बिना बड़ी सर्जरी वाली प्रक्रिया के जरिए 35 वर्षीय मरीज का लिवर ट्रांसप्लांट टाल दिया गया।

प्रयागराज निवासी, सुश्री प्रेमा यादव, को अत्यधिक कमजोरी, तेजी से बढ़ता पीलिया, पेट और पैरों में सूजन तथा लगातार उल्टी की शिकायत के साथ मैक्स अस्पताल, लखनऊ की इमरजेंसी में लाया गया। जांच में एक्यूट बड-कियारी सिंड्रोम की पुष्टि हुई। ह एक गंभीर स्थिति होती है, जिसमें लिवर से खून बाहर ले जाने वाली नसों में अचानक रुकावट या खून का थक्का बन जाता है। इससे लिवर फेल होने का खतरा तेजी से बढ़ सकता है। गंभीर मामलों में अक्सर लिवर ट्रांसप्लांट ही एकमात्र स्थायी इलाज माना जाता है।

हालांकि, तुरंत विभिन्न विशेषज्ञों की सलाह के बाद डॉक्टरों की टीम ने एक उन्नत और बिना बड़ी सर्जरी वाली प्रक्रिया - डायरेक्ट इंट्राहेपेटिक पोर्टोसिस्टमिक शंट (अ्झ्इ) करने का निर्णय लिया। इस प्रक्रिया में लिवर के अंदर एक नया रास्ता बनाया जाता है, जिससे खून का प्रवाह फिर से सामान्य हो सके और लिवर पर बढ़ा हुआ दबाव कम हो जाए।

यह प्रक्रिया मैक्स अस्पताल, लखनऊ की इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी और गैस्ट्रोसर्जरी टीम द्वारा की गई। टीम में डॉ. अजय यादव, निदेशक एवं प्रमुख - गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी एवं रोबोटिक जीआई सर्जरी; डॉ. शाहबाज़ मोहम्मद खान, एसोसिएट डायरेक्टर - इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी; और डॉ. स्विश कुमार सिंह, सीनियर कंसल्टेंट - इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी का भी सहयोग रहा।

टीम के मिलकर काम करने के महत्व पर जोर देते हुए, डॉ. अजय यादव, ने कहा, इस मामले में लिवर की तेजी से बिगड़ती हालत को समय पर पहचानना और सभी विशेषज्ञों का तुरंत मिलकर काम करना बेहद जरूरी था। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए, समय पर डीआईपीएस प्रक्रिया करने से उनका लिवर स्थिर हुआ और तुरंत ट्रांसप्लांट की जरूरत नहीं पड़ी। ऐसी अंग-संरक्षण वाली प्रक्रियाएं गंभीर लिवर मामलों में बेहतर परिणाम दे रही हैं।'

केस के बारे में बताते हुए, डॉ. शहबाज़ मोहम्मद खान, ने कहा, 'मरीज की स्थिति तेजी से लिवर फेल होने की ओर बढ़ रही थी। उनके शरीर में काफी मात्रा में पानी भर गया था और लिवर की जांच रिपोर्ट भी लगातार खराब हो रही थी। लिवर के अंदर एक नया रास्ता बनाकर हमने दबाव कम किया, खून का प्रवाह सामान्य किया और स्थायी नुकसान होने से बचा लिया।'

डॉ. स्विश कुमार सिंह, ने कहा, 'तीव्र बड-कियारी सिंड्रोम दुर्लभ है और इसके लक्षण कई बार अन्य लीवर रोगों जैसे लगते हैं, जिससे पहचान में देरी हो जाती है। समय पर सही जांच और विशेषज्ञ केंद्र में रेफरल जीवन बचा सकता है। यह मामला दर्शाता है कि उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के माध्यम से गंभीर रक्तवाहिनी संबंधी लीवर रोगों का इलाज बिना प्रत्यारोपण भी संभव है।'

मरीज की हालत में तेजी से सुधार हुआ और उन्हें तीन दिन के भीतर स्थिर स्थिति में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई – बिना लिवर ट्रांसप्लांट की जरूरत के।

यह मामला दिखाता है कि जटिल लिवर बीमारियों के इलाज में उन्नत इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी की भूमिका लगातार बढ़ रही है और मैक्स अस्पताल, लखनऊ की अंग बचाने वाली आधुनिक इलाज देने की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। मैक्स अस्पताल, लखनऊ आने से पहले मरीज इलाज के लिए दूर-दराज के शहरों में भी गई थीं, लेकिन उन्हें सही और सटीक उपचार नहीं मिल पाया था।

युवाओं में मानसिक समस्या, आयुर्वेद से समाधान विषय पर हुआ व्याख्यान

मध्य औषधि, पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी, डिप्रेशन के लिए अधिक प्रभावशाली : डॉ. अर्पिता सी राज

प्रयागराज। इविवि एवं गवर्नमेंट आयुर्वेद चिकित्सालय प्रयागराज की ओर से विश्वविद्यालय प्रांगण में युवाओं में मानसिक समस्या एवं उनका आयुर्वेद से समाधान विषय पर टॉपिक 'मेंटेनिंग मेंटल ओरा ऑफ़ यूथ' पर राजकीय आयुर्वेद प्रयागराज की डॉ. अर्पिता सी राज ने डिजिटल प्रेजेंटेशन करते हुए आज व्याख्यान प्रस्तुत दिया। डॉ. राज ने आज के परिवेश में युवाओं में बढ़ते स्ट्रेस, एंजायटी तथा डिप्रेशन तथा उसके फल स्वरुप सुसाइडल टेंडेंसीज उत्पन्न होने जैसे विषय को गंभीरता से लेते हुए आयुर्वेद की जीवन शैली तथा आहार विहार के अनुपालन का विस्तार से वर्णन किया गया। उन्होने बताया कि मुख्यतः इमोशनल, बायोलॉजिकल फैक्टर, टेक एडिक्शन, प्रदूषण, बढ़ते स्क्रीन टाइम, सोशल मीडिया में संलिप्तता, आभासी दुनिया से प्रभावित होना, अकेलापन इत्यादि होते हैं। आयुर्वेद में मध्य औषधि तथा पंचकर्म में शिरोधारा एंजायटी तथा डिप्रेशन के लिए अत्यधिक प्रभावशाली रिजल्ट्स देता है। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन वूमेन स्टडी सेंटर की डायरेक्टर प्रो जया कपूर ने किया श। संयोजक डॉ.गुरपिंदर ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत किया जबकि धन्यवाद प्रस्ताव डॉ. रजनी ने किया।

हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा एकदिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलपूर्वक सम्पन्न

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद प्रयागराज के हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा एकदिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासकीय कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग तथा प्रशासनिक नियमों की अद्यतन जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के कुलसचिव डॉ. अंबक कुमार राय ने कहा कि कार्यों में परिपक्वता लाने के लिए निरंतर सीखते रहना आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को अपने दैनिक कार्यों में लागू करने के लिए प्रेरित किया।

उप कुलसचिव डॉ. श्वेतांग परिहार ने गवर्नमेंट अकाउंटिंग, बजट तथा जनरल फाइनेंशियल रूल्स के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात सहायक कुलसचिव सत्यजीत कुमार ने एनआईटी एक्ट, सरकारी नियमावली, विभिन्न प्रकार की शासकीय अवकाश व्यवस्थाओं तथा चाइल्ड केयर लीव से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल एवं स्पष्ट रूप में प्रस्तुत किया।

सहायक निदेशक (राजभाषा) प्रमोद कुमार द्विवेदी ने राजभाषा नीति, पत्र लेखन, टिप्पणी लेखन एवं कार्यालयीन पत्राचार की व्यावहारिक बारीकियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि राजभाषा का प्रभावी प्रयोग प्रशासनिक दक्षता को बढ़ाता है। इसके उपरांत सहायक कुलसचिव मानस अग्रवाल ने केंद्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियमावली, 1964 के प्रावधानों की विस्तृत जानकारी देते हुए कर्मचारियों के कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को स्पष्ट किया।

कार्यक्रम के समापन पर कार्यालय अधीक्षक श्री गौरव पांडे ने सभी वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हिंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ. राजेश शास्त्री, डॉ. गिरजेश पटेल, सत्यजीत कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

युवक की पिटाई पैसा छीनने का पीड़ित ने लगाया आरोप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। थरवई अटरामपुर नवाबगंज गांव निवासी मोहम्मद शोएब पुत्र अब्दुल हमीद बुधवार रात अपने रिश्तेदार राकेश, अन्य के साथ फाफामऊ से वापस लौट घर रहे थे। रात करीब 8:30 बजे शांतिपुरम के पास उनकी गाड़ी को एक कार सवार बदमाशों ने ओवरटेक कर जबरन रोक लिया। पीड़ित के अनुसार कृष्णा नामक व्यक्ति अपने चार साथियों के साथ कार से उतरा और शोएब को जबरन गाड़ी से खींचकर साथ ले गया।आरोप है कि बदमाशथरवई इलाके की 40 नंबर गोमती के समीपयुवक को सुनसान स्थान पर ले गए, जहां उससे आठ हजार रुपये नकद, करीब तीन ग्राम सोने की चेन व अंगूठी जबरन छीन ली। विरोध करने पर आरोपियों ने उसकी लोहे की राड से जमकर पिटाई की वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले कुछ देर बाद राहगीरों की सूचना पर डायल 112पुलिस मौके पर पहुंची। पीड़ित ने नामजद आरोपियों के खिलाफ लिखित तहरीर दी हैथरवई पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह सहित पदाधिकारी हुए शामिल

2027 के लिए तैयार रहे महिला मोर्चा : बबीता सिंह चौहान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान भाजपा महिला मोर्चा के साथ बैठक करते हुए अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में कहा कि 2027 के लिए महिला मोर्चा तैयार रहे। उन्होंने कहा कि फार्म- 6 भरने में अब जो शेष दिन बचे हैं उनका पूरा सदुपयोग करते हुए मोर्चा कार्यकत्रियां घर - घर जाकर नए वोटरों को जोड़ने का काम करें, खासकर महिला मतदाताओं पर ज्यादा फोकस करें और उन्हें केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं वेफ लिए चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताएं। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष एवं पार्टी की वरिष्ठ नेत्री बबीता सिंह चौहान ने कहा कि आज प्रदेश में कानून का राज है। महिलाएं बेटियां आज बिना किसी भय के बाहर निकलती हैं। अपराधियों के हौंसले पस्त हैं और यदि यही कानून व्यवस्था हम 2027 में भी चाहते हैं तो उसके लिए हमें अभी से लगना होगा। उन्होंने कहा कि फार्म 6 भरवाने को लेकर शिथिलता न बरतें। इसके साथ केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा पेश बजट 2026 के बारे में भी लोगों खासकर महिलाओं को बताएं कि डबल इंजन सरकार में उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुले हैं। बजट में हर वर्ग का ख्याल रखा गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सभी लोग जनता तक पहुंचाएं। इस अवसर पर भाजपा प्रयागराज महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा, महिला मोर्चा क्षेत्रीय मंत्री काशी क्षेत्र वंदना सिंह, महिला मोर्चा महानगर अध्यक्ष शिखा रस्तोगी, रीता सिंह, चंद्रा अहलूवालिया, आभा सिंह, कंचनलता कुशवाहा, शिखा खन्ना, कल्पना शर्मा, सुनीता श्रीवास्तव आदि महिला मोर्चा कार्यकत्रियां उपस्थित रहीं।

बेवजह टालमटोल न्याय के लिए खतरनाक, चेक बाउंस मामले में हस्तक्षेप से हाईकोर्ट का इनकार

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। न्यायिक प्रक्रिया में बेवजह टालमटोल न्याय के लिए खतरनाक है। ऐसी देरी न केवल लोगों का भरोसा कम करती है बल्कि कानून को राहत देने की बजाय परेशानी का जरिया भी बना देती है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति सत्यवीर सिंह ने ब्रजेश कुमार के चेक बाउंस के मामले में हुए आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में विलियम शेक्सपियर के शब्द सच लगते हैं कि समय न टालें, देरी के खतरनाक नतीजे होते हैं। ऐसी लंबी कानूनी कार्रवाई न्याय में देरी न्याय न मिलना है इस कहावत को साफतौर पर दिखाती है। इसके अलावा ऐसी देरी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत तेजी से ट्रायल के अधिकार के मूल तत्व के भी विपरीत है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि मामले को कानून के दायरे मंम त्वरित गति से निपटाया जाए, जब तक कि किसी बड़ी अदालत द्वारा रोक न लगाई जाए।

याची ने अर्जी दाखिल कर चेक बाउंस के मामले में आजमगढ़ के न्यायिक मजिस्ट्रेट के 16 अक्टूबर 2025 के आदेश को रद्द करने की मांग की थी। ट्रायल कोर्ट ने इस मामले में हैंडराइटिंग एक्सपर्ट की रिपोर्ट फाइल करने के लिए बचाव पक्ष के सबूतों को फिर से खोलने की आरोपी की अर्जी को खारिज कर दी थी। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने के बाद हाईकोर्ट ने पाया कि पहले ही काफी मौके दिए जा चुके थे और 18 अप्रैल 2023 को सैंपल सिग्नेचर मिलने के बाद भी आरोपी एक्सपर्ट सबूतों को ध्यान से आगे बढ़ाने में नाकाम रहा।

कोर्ट ने कहा कि शिकायत एक फरवरी 2013 को शुरू की गई थी और कानूनी प्रक्रिया के तहत आरोपी का बयान 30 जुलाई 2021 को रिकॉर्ड किया गया था। बार-बार याद दिलाने और मौके देने के बावजूद आरोपी ने एक्सपर्ट रिपोर्ट को रिकॉर्ड पर लाने के लिए कोई असरदार कदम नहीं उठाया। ट्रायल कोर्ट ने आखिरकार 18 अगस्त 2025 को बचाव पक्ष के सबूत बंद कर दिए और मौका फिर से खोलने के लिए आठ सितंबर 2025 को देर से दाखिल अर्जी को सही तरीके से खारिज कर दिया। कोर्ट ने कानूनी प्रक्रिया में कोई गड़बड़ी न पाए जाने पर यह माना कि ट्रायल कोर्ट ने अपने अधिकार क्षेत्र में काम किया था।

कोर्ट ने यह देखते हुए कि इस तरह की लंबी लंबितता परक्राम्य लिखत अधिनियम 1881 की धारा 138 के तहत सारांश परीक्षणों के उद्देश्य को पराजित करती है, 2013 से लंबित चेक बाउंस मामले में कार्यवाही को रद्द करने की मांग वाली अर्जी को खारिज कर दिया। कोर्ट ने कहा कि शिकायत दर्ज किए जाने के लगभग 13 साल बीत चुके हैं। कोर्ट ने मामले को अत्यधिक देरी का स्पष्ट उदाहरण बताया और दोहराया कि इस तरह की शिथिलता न्याय के लिए घृणित है। कोर्ट ने कहा कि ज्यादा देर करना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत तेजी से ट्रायल की संवैधानिक गारंटी के खिलाफ है। कोर्ट ने कहा कि अर्जी के समर्थन में प्रस्तुत शपथपत्र के साथ संलग्न रिकॉर्ड को देखने पर इस मामले में एनआई एक्ट की धारा 138 शिकायत एक फरवरी 2013 को दाखिल की गई थी और अब 2026 चल रहा है, यानी लगभग 13 साल बीत चुके हैं और मामला लंबित है। ऐसे में इसमें और देर करने की इजाजत देना उचित नहीं है।

स्टिंग एनर्जी ने इस क्रिकेट सीजन में हर छक्के को दी अपनी खास सोनिक आइडेंटिटी

प्रयागराज। पेप्सिको इंडिया के हाई वोल्टेज एनर्जी ड्रिंक स्टिंग एनर्जी ने आज अपने सोनिक ब्रांड यूनिवर्स के नए चैप्टर में कदम रखते

हुए मैच में लगने वाले हर छक्के को अपने सिग्नेचर 'स्टिंग' मूमेंट में बदलने का कैंपेन शुरू किया। अपनी मौजूदगी को देखते हुए स्टिंग एनर्जी ने इस सीजन में एक बड़ा लक्ष्य रखा हैः मैच में लगने वाले हर छक्के की आवाज को उसकी पहचान देने का लक्ष्य।

लक्ष्मी निवास के लिए बैंकॉक में शूट के साथ ज़ी टीवी ने कहानी को दिया बड़ा और शानदार रूप

प्रयागराज। ज़ी टीवी लंबे समय से दर्शकों तक ऐसी कहानियां पहुंचाता रहा है, जिनमें गहराई भी होती है और उन्हें बड़े और खूबसूरत

अंदाज में दिखाया भी जाता है। 'तुम से तुम तक' में कश्मीर में फिल्माए गए खास प्रपोज़ल सीन को मिली जबर्दस्त सराहना के बाद, अब चैनल ने एक और बड़ा कदम उठाया है।

मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर लेकर आया मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट

प्रयागराज। भारत के अग्रणी फैशन, ब्यूटी और लाईफस्टाईल डेस्टिनेशंस में से एक मिंत्रा अपने 19वें जन्मदिन के अवसर पर मिंत्रा बर्थडे ब्लास्ट (एमबीबी) लेकर आया है। यह ईवेंट 28 फरवरी से शुरू होगी। मिंत्रा इनसाईडर कस्टमर्स को 24 घंटे पहले यानी 27 फरवरी से इसकी अरली एक्सेस मिल जाएगी।

पुलिस ने दुष्कर्म पीड़िता का दर्ज कराया बयान

मंत्र भारत संवाददाता

हनुमानगंज। सरायइनायत थानाक्षेत्र में दो दिन पहले हुए एक युवती के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने गुरुवार को पीड़िता का न्यायालय में बयान दर्ज कराया और मेडिकल जांच के लिए भेज दिया। पुलिस आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बता दें कि थानाक्षेत्र में अनुसूचित जाति की 23 वर्षीय युवती से तेंदुई चैनपुर गांव निवासी सरफराज अंसारी ने अभिषेक बनकर इंस्ट्राग्राम पर उससे दोस्ती की। आरोप है कि सरफराज मंगलवार की रात बाइक से आया और युवती को साथ चलने के लिए कहा। युवती ने मना किया तो चाकू के बल पर उसे अगवा कर लिया और एक होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

पीड़िता के भाई की तहरीर पर पुलिस ने बुधवार को अपहरण व दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया था। थानाध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया पूछताछ पूरी होने के बाद आरोपी युवक को जेल भेजा जाएगा।

हॉस्टलों में शुरू हुई कपड़ा फाड़ होली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। इविवि व उसके संघटक कॉलेजों में होली की खुमारी शुरू हो गई है। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के डॉ. आंबेडकर हॉस्टल के परिसर में गुरुवार को छात्रों ने कपड़ा फाड़ होली खेली। छात्रों ने एक-दूसरे को इस तरह से रंग लगाया कि कोई पहचान में नहीं आ रहा था। उधर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हॉस्टल में भी छात्र रंगों से सराबोर रहे। शुक्रवार को हॉलैंड हॉल हॉस्टल में छात्रों के बीच होली खेली जाएगी।

होली के मद्देनजर विशेष बसों का संचालन

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। होली पर्व को देखते हुए परिवहन निगम ने 28 फरवरी से 9 मार्च तक विशेष बस संचालन का निर्णय लिया है। सात प्रमुख रूटों पर प्रतिदिन 148 अतिरिक्त फेरे लगाए जाएंगे, कुल 1628 फेरों का संचालन होगा। दिल्ली-प्रयागराज रूट पर सात बसें विशेष रूप से चलाई जाएंगी। क्षेत्रीय कंट्रोल रूम नंबर 6389149075 और टोलहोली के मद्देनजर कल से चलेंगी होली विशेष बसेंफ्री 180018002877 जारी किया गया है। क्षेत्रीय प्रबंधक रविंद्र कुमार ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

नैनी जामा मस्जिद ईदगाह में तरावीह मुकम्मल, मुल्क की तरक्की और अमन-चैन के लिए हुई खास दुआ

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जामा मस्जिद ईदगाह नैनी में बुधवार को तरावीह की नमाज़ मुकम्मल होने पर खास आमीन के साथ दुआ-ए-खैर की गई। रमज़ान के मुबारक महीने में आयोजित इस विशेष इबादत में नैनी सहित आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की।

कई वर्षों बाद इस बार 7 दिन की तरावीह का एहतमाम किया गया, जिसे नमाजियों ने बेहद अकीदत और अनुशासन के साथ अदा किया। तरावीह की नमाज़ अल्लामा मौलाना मुफ्ती शहंशाह आलम मिस्बाही साहब ने मुकम्मल करवाई। उन्होंने आलम-ए-इस्लाम की सलामती, मुल्क की तरक्की, अमन-ओ-शांति और भाईचारे के लिए विशेष दुआ की।

मस्जिद प्रशासन की ओर से तरावीह पढ़ाने वाले इमाम साहब, मस्जिद के मुख्य इमाम, नायब इमाम और मुअज्जिन को तआवुन (सहयोग राशि) भेंट की गई।

इस मौके पर मौलाना आलम साहब, मौलाना परवाज, शम्से आज़म साहब, मौलाना शफीक, मौलाना शकील, हाफिज मो. अनस, हाजी हलीम, शाह आलम साहब, काशिफ उद्दीन साहब, शाह अफ़ज़ल भाई, नाज़िम खान, शाहनवाज़ आलम, मकसूद भाई, अबरार भाई, अनस, शहजाद खान, हाशिम खान, नसीम अहमद, मोहसिम खान अमन, आरिफ, फरहान, शमीम गार्ड, इस्तियाक, शकील भाई, लल्लू मिस्त्री सहित मस्जिद के अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे। पूरे कार्यक्रम के दौरान मस्जिद परिसर में आध्यात्मिक माहौल बना रहा और लोगों ने आपसी भाईचारे व एकता का संदेश दिया।

'यादव जी की लव स्टोरी'के विरोध में उतारा मुंबई का यादव संघ,प्रांत अधिकारी को दिया ज्ञापन

समाज की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का आरोप, फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

'यादव जी की लव स्टोरी'के विरोध में मुंबई का यादव संघ उतर गया है।भिवंडी के उपविभागीय अधिकारी को ज्ञापन देकर संघ ने समाज की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल प्रतिबंध लगाने की मांग की गई है। मुंबई यादव संघ के अध्यक्ष अजय यादव के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने प्रांत अधिकारी अमित सानप को दिए ज्ञापन में कहा है कि उक्त फिल्म में यादव समाज की छवि को आपत्तिजनक एवं गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे समाज में घोर नाराजगी व्याप्त है।ज्ञापन में संघ ने कहा है कि फिल्म के प्रदर्शन से सामाजिक तनाव बढ़ने और कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने की आशंका है। यादव संघ मुंबई ने प्रशासन को अवगत कराया कि यादव समाज शांतिप्रिय है और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में विश्वास रखता है, लेकिन यदि समाज की भावनाओं की अनदेखी कर फिल्म का प्रदर्शन जारी रखा गया तो जनआक्रोश और असंतोष बढ़ सकता है।संघ के अध्यक्ष ने आरोप लगाते हुए कहा है फिल्म निर्माता इन दिनों अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए जानबूझ कर विवादित फिल्मों का प्रदर्शन करते है ।इस फिल्म से पहले घूसखोर पंडित जैसे फिल्मों के कारण ब्राह्मण समाज आहत हो चुका है।इसलिए इस विवादित फिल्म के प्रदर्शन पर तत्काल रोक लगाया जाय।संगठन ने प्रशासन से सामाजिक शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है।इस अवसर पर यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव, सूरजपाल यादव, चंद्रभान यादव, पी. डी. यादव, मंगेश यादव, डॉ. बृजेश यादव, डॉ. मुन्नालाल यादव, लल्लन यादव, राजेंद्र यादव, कन्हैया यादव, सुभाष यादव, चंद्रिका यादव, विजय प्रताप यादव, हरेंद्र यादव, संतलाल यादव तथा एडवोकेट सुशील यादव उपस्थित रहे।

अवैध पोस्टर-बैनर लगाने वालों पर मनपा की सख्ती....

आयुक्त के आदेश पर शहरभर में विशेष अभियान, बड़ी संख्या में फ्लेक्स हटाए गए

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका क्षेत्र में बिना अनुमति लगाए जा रहे पोस्टर, बैनर, फ्लेक्स और होर्डिंग्स के खिलाफ मनपा प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। महानगरपालिका आयुक्त अनमोल सागर के निर्देश पर शहर भर में विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों से अवैध प्रचार सामग्री हटाने की कार्रवाई शुरू की गई है,मनपा प्रशासन के अनुसार शहर के सार्वजनिक रास्तों, पदपथों, उड़ान पुलों, चौक-चौराहों, शासकीय तथा महानगरपालिका संपत्तियों के साथ ही निजी परिसरों पर भी मालिक की अनुमति के बिना बड़े पैमाने पर पोस्टर और बैनर लगाए जा रहे थे। इससे शहर की सुंदरता प्रभावित होने के साथ यातायात व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा था।आयुक्त के आदेशानुसार प्रभाग समिति क्रमांक 1 से 5 के सहायक आयुक्तों तथा पदनिर्देशित अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान कुल 42 अनधिकृत पोस्टर तथा 138 अवैध बैनर और फ्लेक्स हटाए गए, जबकि एक मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मनपा आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की विशेष जांच और हटाने की कार्रवाई अब प्रत्येक सप्ताह नियमित रूप से की जाएगी। साथ ही जिन अवैध बैनरों पर संस्था, राजनीतिक दल, आयोजक, प्रायोजक अथवा प्रिंटिंग एजेंसी का नाम अंकित होगा, उनकी जिम्मेदारी तय कर महाराष्ट्र मालमत्ता विद्रूपीकरण प्रतिबंधक अधिनियम 1995 के तहत सीधे आपराधिक मामला दर्ज किया जाएगा।पालिका प्रशासन ने यह भी निर्देश दिए हैं कि हटाए गए पोस्टर व बैनरों का पंचनामा तैयार कर कार्रवाई में होने वाला पूरा खर्च संबंधित व्यक्ति या संस्था से वसूला जाए। मनपा की इस कार्रवाई के बाद शहर में बिना अनुमति लगाए जाने वाले बैनरों पर नियंत्रण लगने की उम्मीद जताई जा रही है।

भिवंडी में आधी रात चला बुलडोजर,सौंदर्यीकरण ध्वस्त

CRC फंड से बना निर्माण तोड़ा, अतिक्रमण जस का तस.

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। शहर के सबसे व्यस्त बंजारपट्टी नाका क्षेत्र में बुधवार देर रात मनपा प्रशासन की बुलडोजर कार्रवाई ने राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी। उड़ान पुल के नीचे CRC फंड से किए गए सौंदर्यीकरण निर्माण को रात करीब सवा एक बजे अचानक तोड़ दिया गया। पालिका आयुक्त, महापौर और उपमहापौर के आदेश पर की गई इस कार्रवाई के दौरान हलचल मच गई। मुख्य शहर अभियंता जमील पटेल तथा अभियंता विनोद मते की मौजूदगी में जेसीबी मशीन से सौंदर्यीकरण संरचना हटाई गई।

बताया जा रहा है कि बंजारपट्टी नाका स्थित बहारे मदीना मस्जिद के सामने नमाज के समय बड़ी संख्या में वाहनों की पार्किंग होने से यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही थी। सड़क किनारे वाहन खड़े रहने से रोजाना ट्रैफिक जाम की समस्या उत्पन्न होती थी। स्थानीय नागरिकों की मांग पर यहां वाहन पार्किंग सुविधा विकसित करने के लिए यह कार्रवाई की गई। हालांकि कार्रवाई के बाद नया विवाद खड़ा हो गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मस्जिद के मुख्य द्वार और आसपास सड़क किनारे लंबे समय से बने अवैध दुकान गाले और अतिक्रमण आज भी जस के तस मौजूद हैं। कई बार शिकायतों के बावजूद उन पर कार्रवाई नहीं की गई, जबकि सरकारी फंड से बने सौंदर्यीकरण को रातों-रात तोड़ दिया गया। नागरिकों का कहना है कि यदि यातायात सुधार ही उद्देश्य है तो पहले स्थायी अतिक्रमण हटाए जाने चाहिए थे। प्रशासन के इस फैसले को लेकर शहर में 'सौंदर्यीकरण तोड़ा, अतिक्रमण छोड़ा' जैसी चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुख्य शहर अभियंता जमील पटेल ने बताया कि यह कार्रवाई वरिष्ठ स्तर से प्राप्त आदेशानुसार की गई है और यहां वाहन पार्किंग विकसित कर ट्रैफिक समस्या कम करने का प्रयास किया जाएगा। आधी रात हुई इस कार्रवाई ने मनपा की कार्यप्रणाली, विकास कार्यों की प्राथमिकता और अतिक्रमण नीति पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। अब शहरवासियों की नजर इस बात पर टिकी है कि प्रशासन आगे अवैध कब्जों पर भी समान कार्रवाई करता है या नहीं।

सनकी युवक ने पिता के दोस्त को घोंपा चाकू फिर खुद को भी किया लहूलुहान,मचा हड़कंप

पिता को उसके खिलाफ भड़काने का था शक,पुलिस ने दोनों घायलों पर दर्ज किया क्रॉस केस

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के अजीबोगरीब मामले में एक सनकी युवक ने अपने पिता के ही दोस्त को चाकू घोंपकर घायल कर दिया,उसके बाद उसने खुद को भी चाकू मारकर पुलिस स्टेशन केस भी करने पहुंच गया।उसे शक था कि उसके खिलाफ में उसके पिता को उनका दोस्त भड़कता है।हालांकि पुलिस ने मामले की जांच कर दोनों ही लोगों पर बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत क्रॉस केस दर्ज किया है।लेकिन इस घटना को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। पुलिस के अनुसार भिवंडी के आचार्यनगर इलाके में स्थित राम मंदिर के पास सोमवार की रात शंकर भगवान का भंडारा चल रहा था।जहां पर भंडारा का प्रसाद ग्रहण करने के लिए श्रीरंगनगर निवासी जगदीश केसरवानी गए हुए थे।प्रसाद लेने के बाद रात 9 बजे जब वह घर लौट रहे थे,और राम मंदिर के पास पहुंचे ही थे कि उसी दौरान पहले से घात लगाकर बैठे उनके परम मित्र रामकुमार का लड़का आकाश केसरवानी(31) ने उन्हें पीछे से चाकू घोंपकर बुरी तरह से घायल कर दिया।हालांकि आस पास के लोगों ने जगदीश की जान बचाते हुए उन्हें तत्काल लहूलुहान स्थिति में इलाज के लिए विनायकम् नामक निजी अस्पताल में भर्ती कराया।घायल जगदीश केसरवानी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया है कि पिछले काफी समयों से जब भी आकाश उन्हें देखता जी भरकर गाली देता था।उस दिन बेवजह ही उसने उन्हें चाकू मारकर घायल कर दिया।उन्होंने बताया कि हमला करने के बाद जब लोगो ने उसे पकड़ा तो उसने खुद के भी पैर में चाकू मार कर घायल कर लिया और भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन में पहुंचकर जगदीश द्वारा चाकू मारने की शिकायत दर्ज कराया है।भिवंडी शहर पुलिस स्टेशन के सीनियर पीआई कृष्णा खराड़े ने बताया कि दोनों घायलों की शिकायत पर एक दूसरे के खिलाफ बीएनएस की धारा 118(1),115(2)के तहत केस दर्ज किया है।उन्होंने बताया कि मामले की तहकीकात की जा रही है।आरोपी को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा।इधर लोगो का कहना है कि सनकी आरोपी से पूरा इलाका त्रस्त है।इसके पहले उसने अपने परिवार वालों पर हमला करने के बाद उन पर केस भी दर्ज कराया था।इस घटना को लेकर लोगों में आश्चर्य व्याप्त है।

भिवंडी में महिलाओं के लिए गर्भाशय एवं स्तन कैंसर जांच सुविधा शुरू

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। महिलाओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के वैद्यकीय स्वास्थ्य विभाग की ओर से मंडई स्थित बी.जी.पी. दवाखाना में गर्भाशय ग्रीवा (सर्वाइकल) एवं स्तन कैंसर जांच अभियान शुरू किया गया है। यह जांच फॅमिली प्लानिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया, भिवंडी के सहयोग से संचालित की जा रही है,महानगरपालिका के विज्ञप्ति के अनुसार, महिलाओं में बढ़ते कैंसर के मामलों को देखते हुए समय रहते जांच एवं जागरूकता के उद्देश्य से यह पहल की गई है। इस अंतर्गत बी.जी.पी. दवाखाना में नियमित रूप से कैंसर जांच सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह जांच प्रत्येक गुरुवार को सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक की जाएगी। महानगरपालिका प्रशासन ने शहर की महिलाओं से अपील की है कि वे इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने आसपास की महिलाओं को भी जांच के लिए प्रेरित करें। वैद्यकीय स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संदीप गाडेकर ने बताया कि प्रारंभिक अवस्था में कैंसर की पहचान होने पर उपचार आसान और प्रभावी हो जाता है, इसलिए नियमित जांच अत्यंत आवश्यक है।

इंदौर से खडकी(पुणे) के मध्य स्पेशल ट्रेन का परिचालन

रतलाम। होली के दौरान अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ को ध्यान में रखते हुए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल द्वारा इंदौर से खडकी(पुणे) के मध्य गाड़ी संख्या 09324/09323 इंदौर-खडकी-इंदौर स्पेशल ट्रेन का परिचालन स्पेशल किराया पर किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है:

गाड़ी संख्या 09324 इंदौर खडकी स्पेशल, इंदौर से 04 मार्च से 25 मार्च 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन इंदौर से प्रति बुधवार को 11.15 बजे चलेगी तथा अगले दिन 02.50 बजे खडकी रेलवे स्टेशन पहुँचेगी। इस ट्रेन का देवास(11.50/11.52), उज्जैन(12.40/12.45), नागदा(13.57/14.00) एवं रतलाम(14.35/14.40) बजे आगमन/प्रस्थान होगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09323 खडकी - इंदौर स्पेशल, खडकी से 05 मार्च से 26 मार्च 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन खडकी से प्रति गुरुवार को 04.40 बजे चलेगी तथा गुरुवार को ही 23.55 बजे इंदौर रेलवे स्टेशन पहुँचेगी। इस ट्रेन का रतलाम (20.30/20.35), नागदा (21.10/21.15), उज्जैन (22.05/22.07) एवं देवास (23.00/23.02) बजे आगमन/प्रस्थान होगा।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में देवास, उज्जैन, नागद, रतलाम, गोधरा, वडोदरा, सूरत, वलसाड, वापी, वसई रोड, भिवंडी रोड, कल्याण एवं लोनावाला स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर क्लास एवं जनरल सेकंड क्लस के कोच होंगे। ट्रेन संख्या 09324 की बुकिंग 27.02.2026 से सभी पीआरएस काउंटरों तथा आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना एवं समय की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर एवं रेलवन ऐप पर भी अवलोकन कर सकते हैं।

सागोर - गुणावद के मध्य दो रेलवे ओवर ब्रिज का होगा लोकार्पण

रतलाम। पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल की इंदौर-दाहोद नई रेल लाइन परियोजना के अंतर्गत दो रेल ओवर ब्रिजों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। सड़क उपयोगकर्ताओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए ब्रिज क्रमांक 234 ए एवं 221 ए का लोकार्पण 27 फरवरी को माननीया केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री, भारत सरकार, सावित्री ठाकुर तथा माननीया विधायक, धार, नीना विक्रम वर्मा के करकमलों द्वारा किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन दोनों रोड ओवर ब्रिजों को सड़क यातायात के लिए प्रारंभ किए जाने से आमजन को सुरक्षित एवं निर्बाध आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी। साथ ही, इससे नई रेल लाइन के निर्माण कार्य में भी सुगमता आएगी तथा कार्य को और अधिक गति मिलेगी।

नगर निगम में खुलासा : 23 अफसरों पर गिरी गाज, फर्जी निस्तारण का घोटाला उजागर

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नगर निगम से जुड़ा एक बड़ा प्रशासनिक खुलासा सामने आया है। लखनऊ नगर निगम के 23 अधिकारियों पर 300 से अधिक शिकायतों के फर्जी निस्तारण का आरोप लगा है। मामले के सामने आने के बाद निगम में हड़कंप मच गया है।

जांच में पता चला है कि कई मामलों में बिना काम किए ही सड़क मरम्मत पूरी दिखा दी गई। सीवर लीकेज की शिकायतें भी कागजों में निपटा दी गईं, जबकि जमीनी स्तर पर समस्याएं जस की तस बनी रहीं।

हाउस टैक्स और प्रॉपर्टी म्यूटेशन से जुड़े मामलों में भी भारी अनियमितताएं उजागर हुई हैं। शिकायतों का समाधान दिखाकर फाइलें बंद कर दी गईं, जबकि संबंधित नागरिकों को राहत नहीं मिली।

मुख्य सचिव के निर्देश के बाद जांच में तेजी आई। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने सभी 23 अधिकारियों को नोटिस जारी कर दो दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। जोनल अधिकारियों से लेकर चीफ इंजीनियर और एक्सईएन स्तर के अधिकारी भी जांच के घेरे में हैं।

विशाख जी के पत्र के बाद मामले में कार्रवाई की रफ्तार और तेज हो गई। फर्जी निस्तारण की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है और दोषी अधिकारियों की सूची अंतिम चरण में बताई जा रही है। नगर निगम शासन को विस्तृत रिपोर्ट भेजने की तैयारी में है।

बसपा विधायक के समर्थन में उतरे अखिलेश, कहा- 'भाजपा का कोई होता है तो उसके यहां छापा नहीं पड़ता'

लखनऊ **(एजेंसी)**। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के एकमात्र विधायक उमा शंकर सिंह के लखनऊ और बलिया स्थित आवासों पर बुधवार को आयकर विभाग ने छापेमारी की कार्रवाई की। इसके बाद प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई है। इस घटना को लेकर मायावती ने सरकार पर हमला बोला। उन्होंने इस घटना को राजनीति से प्रेरित बताया। इसके बाद अखिलेश यादव ने इस कार्रवाई को गलत करार दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से उन्नाव में जब संवाददाताओं ने बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के घर पड़े आयकर छापे के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, ''उनके यहां (उमाशंकर) छापा इसलिये पड़ा है क्योंकि कुछ लोग (ःसंभवत उनका इशारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर था)ः जापान गये हैं। अगर वे जापान न गये होते तो शायद यह छापा न पड़ा होता । पुलिस को पता लग जाता और पुलिस लीक कर देती ।

यादव ने मजाकिया अंदाज में कहा, '' सरकार के लोग जापान चले गये, इसलिये छापा पड़ गया ।'' उन्होंने कहा, ''सवाल यह नहीं है कि बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर के यहां छापा पड़ा है । भाजपा का कोई होता है तो उसके यहां छापा नहीं पड़ता । भाजपा को खुश कर दो, कभी छापा नहीं पड़ेगा ।'' उन्होंने कहा कि भाजपा किसी की सगी नहीं है।

उन्होंने एक्स पर लम्बा चौडा पोस्टकर कहा कि भाजपा के छापे लोगों के कमाये गये पैसों को लूटने

का काम करते हैं। भाजपाई जहां भी देखते हैं कि कहीं धन-दौलत जमा होने की संभावना हो सकती है, वहाँ अपनी एजेंसियां लेकर पहुंच जाते हैं। भाजपाई हृदयहीन हैं, इसीलिए संवेदनहीन भी हैं। भाजपाई यह भी नहीं देखते हैं कि कोई व्यक्ति किसी अति गंभीर बीमारी से जूझ रहा है या किसी और परेशानी या दिक़्क़त का सामना कर रहा है। इसके विपरीत धन के लालची भाजपाई ऐसी 'आपदा' से जूझ रहे व्यक्ति के विपरीत हालातों में 'अवसर' तलाश लेते हैं और जब व्यक्ति अपने सबसे मुश्किल दौर में होता है, तब ही उसे टारगेट करते हैं, जिससे वो कोई विरोध-प्रतिरोध न कर पाये और ये उसका धन-मान सब लूट सकें।

भाजपाइयों के लिए बहन-बेटी का मान भी कुछ नहीं है। भाजपाई पीड़ित को उत्पीड़ित करने का कुकृत्य करते हैं। सच तो ये है कि 2047 की बात करनेवाले जानते हैं कि उनका 2027 भी पार नहीं होगा। लखनऊ हो या दिल्ली कोई भी सत्ताइस के पार नहीं जाएगा, इसीलिए ये पैसे बटोरने में लग गये हैं। अब तो भाजपाई भी हमारी बात दोहरा रहे हैं कि 'भाजपा किसी की भी सगी नहीं है!' अब तो भाजपा के परंपरागत वोटर भी भाजपा से छिटक गये हैं।

पूज्य शंकराचार्य जी के अपमान और उनके विरुद्ध घिनौनी साज़िश करने के कारण धर्मरत समाज भाजपा के ख़िलाफ़ खड़ा हो गया है, कारोबारी समाज जीएसटी, भ्रष्टाचार और बेतहाशा उगाही के कारण भाजपा से विमुख हो गया है और आज तो सत्ता सजातीय समाज भी इस घृणित छापे के बाद पूरी तरह भाजपा को नकार रहा है।

किसी के गंभीर हालातों में डाला गया ये छापा किसी भी दृष्टि से जायज़ नहीं ठहराया जा सकता है।

हॉन्गकॉन्ग टी20 सीरीज के लिए कुवैत ने किया टीम का ऐलान, कैप्टेन अहमद अल-अजीज करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। क्रिकेट की दुनिया में अब सिर्फ बड़े नाम ही नहीं, बल्कि उभरते हुए सितारे भी अपनी चमक बिखेर रहे हैं। साल 2026 की शुरुआत हॉन्गकॉन्ग में होने वाली रोमांचक टी20 सीरीज से हो रही है, और इसके लिए कुवैत की नेशनल क्रिकेट टीम ने अपनी कमर कस ली है। कुवैत ने अपनी टीम का ऐलान कर दिया है, जिसमें अनुभव का तड़का भी है और युवाओं का जोश भी।

कुवैत के लिए यह दौरा सिर्फ एक सीरीज नहीं, बल्कि इंटरनेशनल क्रिकेट के नक्शे पर अपनी धाक जमाने का एक सुनहरा मौका है। आइए देखते हैं कि इस बार कुवैत की टोली में कौन-कौन से 'मैच विनर' शामिल हैं। कुवैत के सिलेक्टर्स ने इस बार काफी सोच-समझकर ऐसी टीम चुनी है जो किसी भी परिस्थिति में गियर बदल सके। यहाँ उन 5 खिलाड़ियों का जिक्र जरूरी है जो गेम पलट सकते हैं-

टीम की कमान अहमद के हाथों में है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और चतुर कप्तानी के लिए मशहूर अहमद दबाव में निखरना जानते हैं। टीम को उनसे एक कप्तानी पारी की उम्मीद रहेगी।

विकेट के पीछे मुस्तैद और बल्ले से विस्फोटक! फैसल टी20 फॉर्मेट के माहिर खिलाड़ी हैं। मुश्किल वक्त में रन चुराना और मैच को फिनिश करना उनकी खासियत है।

हर टीम को एक ऐसे ऑलराउंडर की तलाश होती है जो गेंद और बल्ले दोनों से कमाल कर सके। तारिक टीम को वो बैलेंस देते हैं जिसकी टी20 में सख्त जरूरत होती है।

रफ्तार के सौदागर! ज़ैद अपनी स्विंग और पेस से विपक्षी बल्लेबाजों के स्टंप्स बिखेरने के लिए तैयार हैं। डोमेस्टिक क्रिकेट में आग उगलने के बाद अब वे इंटरनेशनल लेवल पर जलवा दिखाने को बेताब हैं।

स्पिन का जादूगर, अगर हॉन्गकॉन्ग की पिच ने थोड़ा भी साथ दिया, तो ओमर अपनी फिरकी में बड़े-बड़े बल्लेबाजों को फंसा सकते हैं। उनका कंट्रोल और वेरिएशन टीम के लिए ट्रंप कार्ड साबित हो सकता है।

कुवैत के लिए हॉन्गकॉन्ग जाना सिर्फ मैच खेलना नहीं है। यह एक प्लेटफॉर्म है जहाँ वे दुनिया को दिखा सकते हैं कि उनकी क्रिकेट किस लेवल पर पहुँच चुकी है। अंतरराष्ट्रीय टीमों के खिलाफ खेलकर जो अनुभव मिलता है, वह खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को सातवें आसमान पर ले जाता है।

टीम पिछले कई हफ्तों से कड़े ट्रेनिंग सेशन से गुजर रही है। कोच और सपोर्ट स्टाफ का पूरा जोर फिटनेस, नई रणनीतियों और टीम बॉन्डिंग पर है। टी20 जैसे तेज फॉर्मेट में 'एडैप्टेबिलिटी' (तालमेल बिठाना) ही जीत की कुंजी है।

क्रिकेट फैंस और कुवैत के समर्थक उम्मीद लगाए बैठे हैं कि यह दौरा कुवैती क्रिकेट के इतिहास में एक नया अध्याय लिखेगा। अगर खिलाड़ी अपनी योजना के मुताबिक खेल पाए, तो हॉन्गकॉन्ग में कुवैत का झंडा बुलंद होना तय है।

दीप्ति शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे से पहले हरमनप्रीत कौर की चोट पर दिया अपडेट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए राहत भरी खबर आई है। टीम की अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिटनेस पर बड़ा अपडेट देते हुए कहा कि वह पूरी तरह फिट हैं। पहले वनडे में बल्लेबाजी के दौरान घुटने में चोट लगने से हरमनप्रीत मैदान पर नहीं लौट पाई थीं, जिससे टीम की चिंताएं बढ़ गई थीं। हालांकि, होबार्ट में होने वाले अहम मुकाबले से पहले स्थिति नियंत्रण में दिख रही है।

दीप्ति शर्मा ने प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कप्तान हरमनप्रीत कौर की फिटनेस को लेकर सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हरमनप्रीत 'फिट और ठीक' हैं। पहले वनडे के दौरान बल्लेबाजी करते समय उनके बाएं घुटने में चोट लगी थी। यह मुकाबला ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में खेला गया था, जहां दूसरी पारी में वह फील्डिंग के लिए मैदान पर

नहीं उतरीं। इसके बाद मेडिकल टीम ने उनकी निगरानी शुरू की।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया था कि हरमनप्रीत को बल्लेबाजी के दौरान चोट लगी और मेडिकल स्टाफ उनकी स्थिति पर नजर रख रहा है। कप्तान की गैरमौजूदगी में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने टीम की कमान संभाली। हालांकि शुरुआती चिंता के बाद अब टीम मैनेजमेंट राहत महसूस कर रहा है, क्योंकि दूसरे वनडे में उनकी उपलब्धता की संभावना मजबूत हो गई है।

पहले मुकाबले में भारतीय टीम 48.3 ओवर में 214 रन पर सिमट गई। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने छह विकेट शेष रहते 38.2 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सीरीज में बढ़त बना ली। ऑस्ट्रेलिया ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए मैच अपने नाम किया, जबकि भारतीय टीम को कुछ अहम मौकों पर चूक का खामियाजा भुगतना पड़ा।

दीप्ति शर्मा ने स्वीकार किया कि टीम ने पहले वनडे में अच्छा क्रिकेट खेला, लेकिन परिणाम उनके पक्ष में नहीं गया। उन्होंने भरोसा जताया कि टीम दूसरे मुकाबले में ज्यादा मजबूती से उतरेगी। उनके अनुसार, खिलाड़ी आत्मविश्वास से भरे हैं और अगले मैच में अपनी गलतियों को सुधारने पर ध्यान देंगे। उन्होंने कहा कि टीम का फोकस लगातार बेहतर प्रदर्शन पर है।

भारतीय अर्थव्यवस्था की तेज रफ्तार!

ईवाई रिपोर्ट का बड़ा दावा, जीडीपी ग्रोथ 7.2 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगले वित्त वर्ष में 6.8 से 7.2 प्रतिशत के बीच रह सकती है। 'ईवाई इकॉनमी वॉच' ने एक रिपोर्ट यह अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2047 तक 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए भारत को अपने कर-जीडीपी अनुपात में वृद्धि करनी होगी, जो मुख्य रूप से कर अनुपालन में सुधार के माध्यम से संभव है क्योंकि प्रमुख कर सुधार पहले ही लागू किए जा चुके हैं।

कर-जीडीपी अनुपात, यह मापने का पैमाना है कि किसी देश के कुल राजस्व (जीडीपी) का कितना हिस्सा सरकार कर के रूप में इकट्ठा करती है। ईवाई इंडिया के मुख्य नीति सलाहकार डी. के. श्रीवास्तव ने कहा, '' प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं या आर्थिक समूहों के साथ भारत के व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौतों की पृष्ठभूमि में मध्यम अवधि की संभावनाएं मजबूत हुई हैं। हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026-27 में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.8 से 7.2 प्रतिशत के दायरे में रहेगी।'' रिपोर्ट के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2025-26 में विशेष रूप से व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) और माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से संबंधित प्रमुख कर सुधार किए गए। इन दोनों सुधारों के तहत सरकार ने काफी राजस्व 'छोड़ा' है, ताकि परिवारों की खर्च योग्य आय बढ़े और निजी उपभोग मांग को समर्थन मिल सके। इसमें कहा गया , '' इन कर सुधारों के कारण भारत सरकार के सकल कर राजस्व (जीटीआर) में उल्लेखनीय कमी आई, जिसके चलते वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान से कम राजस्व मिलने की आशंका थी। हालांकि, इस संभावित कमी के बावजूद, व्यापक रूप से यह अपेक्षा की जा रही थी कि सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल करेगी।

टी20 वर्ल्ड कप : नेट रन-रेट नहीं, जीत पर ध्यान दे टीम इंडिया : इरफान पठान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली टीम इंडिया को सुपर-8 के पहले मुकाबले में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की करारी हार झेलनी पड़ी। यह टी20 वर्ल्ड कप इतिहास में भारत की सबसे बड़ी हार रही। इस हार के बाद भारत की सेमीफाइनल की उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर इरफान पठान ने टीम इंडिया को साफ संदेश दिया है कि नेट रन-रेट की गणित में उलझने के बजाय पहले मैच जीतने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि अगर भारत शुरुआत से ही नेट रन-रेट का पीछा करने की सोच रखेगा, तो दबाव और बढ़ेगा। वेस्टइंडीज का नेट रन-रेट ₹5 से ऊपर और साउथ अफ्रीका का ₹3 से ज्यादा है, जबकि भारत फिलहाल निगेटिव में है। ऐसे में बड़े अंतर से जीत दर्ज करना आसान नहीं होगा। पठान के मुताबिक, 'पहली प्राथमिकता मैच जीतना होना चाहिए। अगर जीत मिलती है, तभी रन-रेट की बात करें।'

इरफान पठान का मानना है कि बल्लेबाजी में संतुलन के लिए सूर्यकुमार यादव को नंबर 3 पर उतारने पर विचार किया जा सकता है। इससे टॉप ऑर्डर में तीन लेफ्ट हैंडर का पैटर्न टूटेगा और टीम को लचीलापन मिलेगा। हालांकि, नई गेंद के खतरे को देखते हुए टीम मैनेजमेंट अब तक उन्हें मिडिल ओवर्स के लिए बचाकर रख रहा है। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का मुकाबला 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह मैच भारत के लिए करो या मरो जैसा साबित हो सकता है।

रबाडा ने सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में डेल स्टेन को पीछे छोड़ा, अब सिर्फ ये गेंदबाज आगे

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने एक और बड़ा मुकाम हासिल कर लिया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ अहम मुकाबले में दो विकेट झटकते ही वह टूर्नामेंट इतिहास में प्रोटियाज के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए। इस उपलब्धि के साथ उन्होंने दिग्गज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया। अब रबाडा से आगे सिर्फ एनरिक नोर्त्जे हैं। बड़े टूर्नामेंट में निरंतर प्रदर्शन ने रबाडा को दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के सबसे भरोसेमंद गेंदबाजों में शामिल कर दिया है।

कगिसो रबाडा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में दो महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। उन्होंने पहले कप्तान और विकेटकीपर शाई होप (16) को पवेलियन भेजा और फिर विस्फोटक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर (2) का विकेट चटकाया। इन दो सफलताओं के साथ रबाडा के टी20 विश्व कप विकेटों की संख्या 32 तक पहुंच गई।

उनकी यह उपलब्धि ऐसे समय आई है जब दक्षिण अफ्रीका सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को मजबूत बनाए रखना चाह रहा है। रबाडा ने नई गेंद और डेथ ओवरों दोनों में अपनी सटीक लाइन-लेंथ से बल्लेबाज़ों पर दबाव बनाए रखा।

इस प्रदर्शन के साथ रबाडा ने महान तेज गेंदबाज़ डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम टी20 विश्व कप में 30 विकेट दर्ज हैं। स्टेन लंबे समय तक दक्षिण अफ्रीका के सबसे प्रभावशाली गेंदबाज़ रहे, लेकिन अब रबाडा ने आंकड़ों में उनसे आगे निकलकर नई पीढ़ी की अगुवाई का संकेत दिया है। रबाडा की खासियत यह है कि वह अलग-अलग परिस्थितियों में समान प्रभाव डालते हैं। चाहे उछालभरी पिच हो या धीमी सतह, उनकी गति और विविधता बल्लेबाज़ों के लिए चुनौती बनी रहती है।

'यादव जी की लव स्टोरी' पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला! शीर्षक को नहीं माना अपमानजनक, याचिका खारिज

फिल्मों के नाम को लेकर अक्सर होने वाले विवादों के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। अदालत ने आगामी फिल्म 'यादव जी की लव स्टोरी' के शीर्षक को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने स्पष्ट किया कि फिल्म का नाम किसी भी तरह से यादव समुदाय की छवि को धूमिल नहीं करता है। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में फिल्म के शीर्षक पर प्रतिबंध लगाने और नाम बदलने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में यह याचिका फिल्म के टाइटल को चुनौती देते हुए दायर की गई थी, जिसमें इसकी रिलीज पर रोक लगाने और नाम बदलने की मांग की गई थी। हालांकि, कोर्ट ने फिल्म के टाइटल के खिलाफ याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि इससे यादव समुदाय की इमेज खराब नहीं होती है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह मामला पहले के 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग

है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की बेंच ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि किसी फिल्म के टाइटल को सिर्फ इसलिए गैर-संवैधानिक नहीं ठहराया जा सकता क्योंकि इससे किसी समुदाय की इमेज खराब होने का डर है। अपने आदेश में, कोर्ट ने कहा, 'हमने रिकॉर्ड में मौजूद मटीरियल पर विचार किया है।' कोर्ट ने कहा, 'मुख्य शिकायत यह है कि आने वाली फिल्म का टाइटल यादव कम्युनिटी को समाज में नेगेटिव तरीके से दिखाता है और इसलिए इसे बदला जाना चाहिए।'

हालांकि, बेंच ने कहा, 'हम यह नहीं समझ पा रहे हैं कि फिल्म का टाइटल कम्युनिटी को गलत तरीके से कैसे दिखाता है।' कोर्ट ने कहा कि टाइटल में ऐसा कोई एडजेक्टिव या शब्द नहीं है जो यादव कम्युनिटी को नेगेटिव तरीके से दिखाता हो। कोर्ट ने आगे कहा कि उठाई गई आशंकाएं पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

इस मामले को 'घूसखोर पंडित' मामले से अलग करते हुए, बेंच ने कहा कि 'घूसखोर' शब्द का मतलब भ्रष्ट है, जिससे एक कम्युनिटी के साथ नेगेटिव मतलब जुड़ जाता है। हालांकि, मौजूदा मामले में, यादव कम्युनिटी के साथ ऐसा कोई नेगेटिव मतलब नहीं जुड़ा है। यह फिल्म 27 फरवरी, 2026 को बड़े पर्दे पर आएगी।

नेटफ्लिक्स पर लौटेगी प्राइड एंड प्रेजुडिस, एम्मा कोरिन और जैक लोवेन की केमिस्ट्री ने जीता दिल, फर्स्ट लुक आउट

मुंबई। नेटफ्लिक्स ने मंगलवार, 24 फरवरी, 2026 को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी सीरीज़ का फर्स्ट-लुक टीज़र जारी किया, जो जेन ऑस्टेन की क्लासिक प्राइड एंड प्रेजुडिस का एक अडैप्टेशन है। यूरोस लिन के डायरेक्शन में बनी इस सीरीज़ में एम्मा कोरिन एलिज़ाबेथ बेनेट और जैक लोवेन मिस्टर डार्सी के रोल में लीड रोल में हैं।रिलीज़ टाइमलाइन की बात करें तो, नेटफ्लिक्स सीरीज़ 2026 में प्रीमियर के लिए तैयार है। हालांकि, अभी तक सही रिलीज़ डेट सामने नहीं आई है। इसके कास्ट और कैरेक्टर्स के बारे में और डिटेल्स के लिए आगे पढ़ें।

शो का 54 सेकंड का टीज़र एम्मा कोरिन के कैरेक्टर, एलिज़ाबेथ बेनेट की एक झलक के साथ शुरू होता है, जो एक छत के ऊपर से सनसेट देख रही है। जैसे ही वह सरपट दौड़ने की आवाज़ सुनती है, वह जैक लोवेन के कैरेक्टर, मिस्टर डार्सी के घोड़े पर आने से पहले शरमाती हुई दिखाई देती है।

यह सीरीज़ एवरीथिंग आई नो अबाउट लव की राइटर डॉली एल्डर्टन ने लिखी है।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

क्रमांक : एसी/आरसी/एसआर/10245/एमओएच/
दिनांक : 26.02.2026

अभिरुचि अभिव्यक्ति की सूचना

विषय : सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आर/मध्य विभाग में 'डी' श्रेणी के रिक्त बहुउद्देशीय कर्मियों के पदों को संविदा आधार पर भरने के संबंध में।

आर/मध्य विभाग अंतर्गत सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग, औषधालयों, कार्यालय तथा श्मशानभूमि में 'डी' श्रेणी के रिक्त पदों को संविदा आधार पर भरने हेतु केवल वही संस्थाएँ/कंपनियाँ आवेदन करें जिनके पास बृहन्मुंबई महानगरपालिका के औषधालयों, बृहन्मुंबई महानगरपालिका कार्यालय तथा बृहन्मुंबई महानगरपालिका श्मशानभूमि में संविदा आधार पर बहुउद्देशीय कर्मी उपलब्ध कराने का कम से कम 1 वर्ष का अनुभव हो।

कर्मचारी भविष्य निधि तथा राज्य कर्मचारी बीमा योजना अंतर्गत पंजीकृत इच्छुक धर्मार्थ संस्थाएँ/एकल स्वामित्व प्रतिष्ठान/साझेदारी प्रतिष्ठान/निजी सीमित कंपनियाँ (जिनका स्थापना उद्देश्य अपने सदस्यों को रोजगार उपलब्ध कराना हो) आवेदन कर सकती हैं।

पात्रता सूची तैयार कर लॉटरी पद्धति द्वारा चयन करने के लिए संबंधित संस्थाओं/कंपनियों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन प्रपत्र आर/मध्य विभाग के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से 27/2/26 से 06/3/26 तक समय 10:30 से 3:00 तक प्राप्त किया जा सकता है।

इच्छुक संस्थाएँ/कंपनियाँ अधिक जानकारी, आवेदन प्रपत्र तथा शपथपत्र प्रपत्र हेतु आर/मध्य विभाग के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग कार्यालय से संपर्क करें। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 06/3/26 समय 5:00 है।

निर्धारित कार्यालय समय के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी,
आर/सी विभाग

पीआरओ/3118/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग
माता रमाबाई आंबेडकर महानगरपालिका प्रसूति गृह
मरोल, अंधेरी (पूर्व), मुंबई - 400059

अभिरुचि अभिव्यक्ति सूचना

विषय : के/पूर्व विभाग अंतर्गत माता रमाबाई आंबेडकर महानगरपालिका प्रसूति गृह, सेंटिनल केंद्र, मरोल, अंधेरी (पूर्व) में 'डी' श्रेणी के कर्मचारियों की 06 माह के लिए पूर्णतः संविदा आधार पर नियुक्ति के संबंध में।

के/पूर्व विभाग के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत माता रमाबाई आंबेडकर महानगरपालिका प्रसूति गृह, सेंटिनल केंद्र, मरोल, अंधेरी (पूर्व) में 'डी' श्रेणी के 07 कर्मचारियों की नियुक्ति पूर्णतः 06 माह की संविदा अवधि के लिए अशासकीय संस्था के माध्यम से की जानी है।

यह नियुक्ति कर्मचारी भविष्य निधि एवं कर्मचारी बीमा पंजीकरण अंतर्गत पंजीकृत कामगार सहकारी संस्था, सेवा सहकारी संस्था, बेरोजगार सेवा सहकारी संस्था, औद्योगिक सेवा सहकारी संस्था तथा अशासकीय संस्था (रोजगार प्रदान करने की इच्छा रखने वाली) के माध्यम से की जाएगी। बचत समूहों को इस प्रक्रिया से बाहर रखा गया है।

लॉटरी प्रक्रिया हेतु सूची तैयार करने के लिए इच्छुक संस्थाओं से सभी आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

आवेदन प्रपत्र माता रमाबाई आंबेडकर महानगरपालिका प्रसूति गृह, मरोल, अंधेरी (पूर्व) के कार्यालय से 02.03.2026 से 12.03.2026 तक प्रातः 11.00 बजे से अपराह्न 04.00 बजे तक (साप्ताहिक एवं सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर) प्राप्त किए जा सकते हैं।

पूर्णतः भरे हुए आवेदन प्रपत्र संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेजों एवं विधिवत मुहर सहित 02.03.2026 से 13.03.2026 अपराह्न 04.00 बजे तक जमा किए जा सकते हैं।

आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 13.03.2026 अपराह्न 04.00 बजे तक है। इसके पश्चात प्राप्त होने वाले आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

ई.ई.मैकेनिकल (दक्षिण)

पीआरओ/3112/विज्ञा./2025-26

भोजन से पूर्व एवं शौच के बाद साबुन से हाथ स्वच्छ धोएं।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

बांधकाम विभाग

ई-निविदा सुचना क्र. ९८९ सन २०२५-२६
खालील काम करण्यासाठी सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यांत येत आहे

अ.क्र.	अंदाजित खर्च/निविदा फॉर्म फी / कामाचे स्वरुप	अंदाजपत्रकीय रक्कम	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका हद्दीतील वार्ड क्र.७ ड हाफिजनगर येथे जुनी गटारे तुटल्यामुळे नवीन गटार बांधणे. (महाराष्ट्र सुवर्ण जयंती नगरोत्थान अभियान (जिल्हास्तर) योजना अंतर्गत)	१९,९९,७०३/-	दिनांक :-२७/०२/२०२६ दिनांक :-०६/०३/२०२६

सदर निविदा बाबतची माहिती www.mahatenders.gov.in या संकेतस्थळावर दि.२७/०२/२०२६ ते दि.०६/०३/२०२६ रोजी पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा संकेतस्थाळावर दि.०६/०३/२०२६ रोजी दु. ४.०० वाजे पर्यंत स्विकारण्यात येतील.

XXX
शहर अभियंता
भिवंडी नि. श. महानगरपालिका, भिवंडी

जा.क्र./ज.सं.वि./१८७
दि. २६/०२/२०२६

उतार-चढ़ाव के बीच सपाट बंद हुए सेंसेक्स-निफ्टी, जीडीपी आंकड़ों और अमेरिका-ईरान वार्ता से पहले निवेशक सतर्क

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के आने से पहले भारतीय शेयर बाजार बृहस्पतिवार को लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुए। दिन भर चले भारी उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स में मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि निफ्टी हल्की बढ़त के साथ बंद होने में कामयाब रहा। सेंसेक्स में 27 अंक की गिरावट रही जबकि निफ्टी में 14 अंक की बढ़त दर्ज की गई। कारोबारियों ने कहा कि एचडीएफसी बैंक एवं कुछ अन्य प्रमुख कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से सूचकांकों पर दबाव बना। इसके अलावा अमेरिका-ईरान वार्ता के पहले निवेशकों ने सतर्कता भी दिखाई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 27.46 अंक यानी 0.03 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 82, 248.61 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 82, 579.16 अंक के ऊपरी स्तर तक गया और 81, 970.47 अंक के निचले स्तर तक आया। इस तरह सूचकांक में 608.69 अंकों का उतार-चढ़ाव दर्ज किया गया। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक निफ्टी

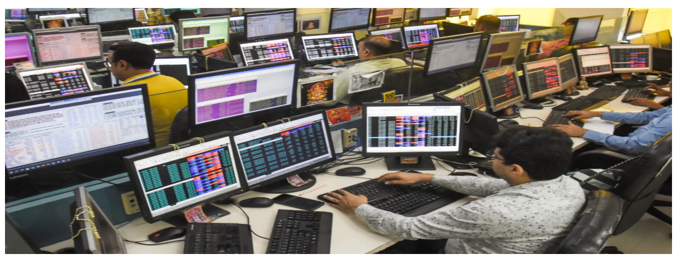

14.05 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 25, 496.55 अंक पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, एनटीपीसी और एक्सिस बैंक के शेयरों में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी तरफ भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, मारुति और भारती एयरटेल के शेयरों में बढ़त रही। विश्लेषकों के मुताबिक, अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता से पहले सतर्कता और प्रमुख आर्थिक आंकड़ों के इंतजार में निवेशकों ने मुनाफावसूली की।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "वैश्विक बाजारों से मिले मिले-जुले संकेतों और अमेरिका में बेरोजगारी दावों के आंकड़े एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े आने से पहले निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।" शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 2, 991.64 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। वहीं घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5, 118.57 करोड़ रुपये की लिवाली की।

एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहा जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट में बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में ज्यादातर दोपहर के कारोबार में बढ़त में थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को मजबूती के साथ बंद हुए थे। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.95 प्रतिशत के नुकसान के साथ 70.18 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। बुधवार को सेंसेक्स 50.15 अंक चढ़कर 82, 276.07 अंक और निफ्टी 57.85 अंक की बढ़त के साथ 25, 482.50 अंक पर बंद हुआ था।

पंचतत्व में विलीन चंपई सोरेन के पोते अंतिम यात्रा में शामिल हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन; पूरे गांव में पसरा मातम

रांची **(एजेंसी)**। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के पोते वीर सोरेन का गुरुवार को पूरे रीति-रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। उनका अंतिम संस्कार जमशेदपुर के पास सरायकेला-खरसावां जिले के जिलंगगोड़ा गांव में हुआ। अंतिम यात्रा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कई विधायक-सांसद, समर्थक और ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वीर सोरेन अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए मनाली गए थे। जानकारी के अनुसार वे 22 फरवरी को मनाली पहुंचे थे और सिमसा के एक होम स्टे में ठहरे थे। 23 फरवरी को उन्होंने सोलंग और सेथन इलाके में घूमने गए थे। 24 फरवरी की दोपहर करीब 12:30 बजे वे घूमकर कमरे में लौटे और सिर में तेज दर्द की शिकायत की। दोस्तों ने ऑनलाइन दवा मंगाकर उन्हें दी, जिसके बाद वे आराम करने लगे। करीब 2:30 बजे कमरे से गिरने की आवाज आई। दोस्त अंदर पहुंचे तो देखा कि वीर सोरेन फर्श पर अचेत पड़े हैं। उन्हें तुरंत गाड़ी से मनाली सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक अस्पताल ले जाते समय उनके मुंह से झाग निकल रहा था।

गुरुवार दोपहर जब वीर सोरेन का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव जिलंगगोड़ा पहुंचा तो पूरा गांव शोक में डूब गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण और समर्थक अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अंतिम संस्कार से पहले चंपाई सोरेन के आवास पहुंचे और वीर सोरेन को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शोक संतप्त परिवार से मिलकर उन्हें ढांढ़स बंधाया। सिंहभूम की सांसद जोबा माझी भी गांव पहुंचीं और वीर सोरेन को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने चंपाई सोरेन से मुलाकात कर इस दुख की घड़ी में परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा कि यह क्षति न सिर्फ परिवार बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए दुखद है।

'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' : पाकिस्तान का मिटेगा नामो-निशान, भारतीय सेना ने दी अंतिम चेतावनी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय सेना ने 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के तहत पाकिस्तान को अंतिम चेतावनी देते हुए साफ कर दिया है कि अगर पड़ोसी देश ने किसी भी प्रकार की शत्रुता जारी रखी, तो उसे गंभीर नुकसान झेलना पड़ेगा। वेस्टर्न कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार और 2 कोर के जीओसी लेफ्टिनेंट जनरल राजेश पुष्कर ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान अपनी रणनीतिक महत्वाकांक्षा बनाए रखने के लिए बार-बार भारत विरोधी साजिशों में लिप्त हो रहा है।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने कारगिल युद्ध या मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर के सबक से कोई सुधार नहीं किया है। इस बार भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और उसके पास अत्याधुनिक तकनीक और घातक ताकत मौजूद है, जो पड़ोसी देश को अनुशासन सिखाने के लिए निर्णायक साबित होगी। 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' की रणनीति पिछली बार से कहीं अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाई गई है। सेना ने 'भैरव बटालियन' को पैरा ऑपरेशंस के लिए तैयार किया है और ड्रोन आधारित मिशनों के लिए 'अश्वनी प्लाटून' को सक्रिय किया गया है। इसके अलावा, स्वदेशी ड्रोन्स का उत्पादन बड़े पैमाने पर किया जा रहा है ताकि दुश्मन के ठिकानों, लॉन्च पैड्स और बेसों पर सटीक निशाना साधा जा सके। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद नियंत्रण में आने के बाद भी, सेना ने पाकिस्तान से संभावित घुसपैठ और प्रशिक्षण गतिविधियों का जवाब देने

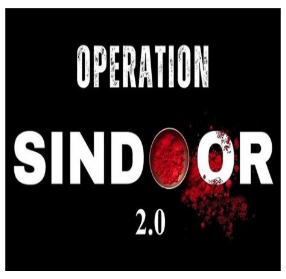

के लिए हवा, जमीन और समुद्र तीनों मोर्चों पर तैयारी पूरी कर ली है। पिछले ऑपरेशन में पाकिस्तान की गुहार पर सीजफायर हुआ था, लेकिन इस बार प्रतिक्रिया पूरी तरह दुश्मन के कदमों पर निर्भर करेगी।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ऑपरेशन सिंदूर 2.0 पूरी ताकत के साथ लागू होता है, तो पाकिस्तान की सैन्य क्षमता और आर्थिक स्थिति दोनों प्रभावित होंगी। हवाई ठिकाने, रडार स्टेशन और नौसैनिक बंदरगाहों के अलावा आईएसआई के आतंकवादी नेटवर्क को निशाना बनाया जाएगा। इस वजह से पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ सकता है और विदेशी निवेश भी रुकेगा। सेना ने यह स्पष्ट किया कि नागरिक क्षेत्रों को निशाना नहीं बनाया जाएगा, लेकिन आतंकवाद के ठिकानों को पूरी तरह समाप्त करने से पीछे नहीं हटेगी। अब पाकिस्तान के पास या तो आतंकवाद को छोड़ना होगा या भारी कीमत चुकानी होगी।

यूट्यूबर का दर्दनाक अंत, ब्रेकअप से टूटी लड़की, पंखे से लटककर दी जान

तेलंगाना **(एजेंसी)**। 21 साल की पार्ट-टाइम यूट्यूबर बोनू कोमाली ने आत्महत्या कर ली है। कोमाली मूल रूप से आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम की रहने वाली थीं और पिछले 11 महीनों से हैदराबाद के एक अपार्टमेंट में अकेले रहकर बीएससी की पढ़ाई कर रही थीं। वह यूट्यूब पर अपनी लाइफस्टाइल से जुड़े वीडियो शेयर किया करती थीं।

पुलिस जांच में सामने आया है कि जान देने से ठीक पहले

कोमाली का अपने बॉयफ्रेंड के साथ झगड़ा हुआ था। इसके बाद उन्होंने कुवैत में रह रही अपनी मां को आखिरी मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था, 'आई लव यू मम्मी सो मच, छोटे भाई का ख्याल रखना।' जब मां के फोन करने पर भी कोमाली ने कॉल नहीं उठाया, तो उन्होंने एक दोस्त को घर भेजा। वहां दरवाजा तोड़ने पर कोमाली का शव पंखे से लटका मिला।

शुरुआती जांच के अनुसार, कोमाली पिछले तीन साल से एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर के साथ रिश्ते में थीं, जो खुद भी एक यूट्यूबर है। खबर है कि हाल ही में दोनों का ब्रेकअप हो गया था, जिसके कारण वह काफी तनाव में थीं।

पुलिस को पता चला है कि कोमाली ने 6 महीने पहले भी जान देने की कोशिश की थी। फिलहाल पुलिस फोन रिकॉर्ड्स और दोस्तों के बयानों के आधार पर मामले की पूरी जांच कर रही है।

सामूहिक हत्याकांड की खौफनाक साजिश!

घर में घुसकर पानी में मिलाया जहर शादी से लौटे परिवार पर टूटा कहर

गुना **(एजेंसी)**। जिले के ग्राम डोंगर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां पुरानी रंजिश के चलते एक पूरे परिवार को खत्म करने की कथित तौर पर साजिश रची गई। घटना उस समय हुई जब केदार सिंह धाकड़ का परिवार रुठियाई में आयोजित एक शादी समारोह से देर रात अपने घर लौटा। आरोप है कि उनकी गैर मौजूदगी में गांव के ही कुछ विरोधियों ने घर में घुसकर पीने के पानी और रसोई के सामान में जहरीला पदार्थ मिला दिया।

परिजनों के मुताबिक, बीती रात करीब 1 बजे जब परिवार अपने घर पहुंचा, तो थकान के कारण केदार सिंह की पत्नी ममता बाई ने सबसे पहले पानी पी लिया। पानी पीते ही उनकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी। संदेह होने पर जब परिजनों ने पानी और अन्य खाद्य सामग्री की जांच की, तो उसमें से सल्फास जैसी तीव्र गंध आ रही थी। आनन-फानन में महिला को गुना के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

पीड़ित परिवार का दावा है कि आरोपियों ने केवल एक मटके में नहीं, बल्कि घर के तीनों भाइयों के अलग-अलग कमरों में रखे पानी के बर्तनों में भी जहर मिलाया था। यहां तक कि किचन में रखी शक्कर में भी संदिग्ध जहरीले कण पाए गए हैं। गनीमत रही कि परिवार के अन्य सदस्यों ने पानी नहीं पिया, वरना बड़ी जनहानि हो सकती थी। पीड़ित केदार सिंह पानी का सैंपल लेकर जिला मुख्यालय पहुंचे हैं और उन्होंने आशंका जताई है कि पानी में सल्फास की गोलियां घोली गई हैं।

इस मामले में पीड़ित परिवार ने गांव के ही एक व्यक्ति और उसके दो बेटों पर शक जाहिर किया है। केदार सिंह का आरोप है कि जब उनके परिवार के सदस्य शिकायत लेकर विजयपुर थाने पहुंचे, तो पुलिस का रवैया सहयोगात्मक नहीं था।

भारतीय पोल्ट्री की सऊदी अरब में 'नो एंट्री'

फूड सेफ्टी पर उठे सवाल एक्सपोर्ट बिजनेस संकट में

रियाद **(एजेंसी)**। भारत के पोल्ट्री बिजनेस के लिए खाड़ी देशों से एक बुरी खबर आई है। सऊदी अरब ने भारत से आने वाले चिकन और अंडों के आयात पर पूरी तरह से पाबंदी लगा दी है। इस फैसले ने न केवल भारतीय निर्यातकों की नींद उड़ा दी है, बल्कि पोल्ट्री फार्म चलाने वाले किसानों के माथे पर भी चिंता की लकीरें खींच दी हैं।

सऊदी अरब के अधिकारियों ने इस कड़े कदम के पीछे मुख्य रूप से हेल्थ और सेफ्टी का हवाला दिया है। वहां की सरकार को डर है कि एवियन इन्फ्लूएंजा (बर्ड फ्लू) के चलते संक्रमण फैल सकता है। साथ ही सऊदी अरब अपने खाद्य सुरक्षा मानकों को लेकर काफी सख्त हो गया है, और फिलहाल भारतीय पोल्ट्री उत्पाद उन पैमानों पर खरे नहीं उतर पा रहे हैं।

सऊदी अरब भारत के लिए एक बहुत बड़ा मार्केट था। इस अचानक लगे ब्रेक के कई गहरे असर होने वाले हैं कि जो किसान एक्सपोर्ट के भरोसे अपनी आय बढ़ाने का सपना देख रहे थे, उन्हें भारी वित्तीय नुकसान झेलना पड़ सकता है। साथ ही जब माल बाहर नहीं जाएगा, तो वह देश के भीतर ही बिकेगा। इससे घरेलू बाजार में चिकन और अंडों की भरमार हो जाएगी, जिससे इनकी कीमतें काफी नीचे गिर सकती हैं। आम जनता के लिए तो यह अच्छी खबर हो सकती है, लेकिन पोल्ट्री फार्मर्स के लिए यह घाटे का सौदा होगा। इस कारण अब एक्सपोर्टर्स को मजबूरी में नए देशों के दरवाजे खटखटाने होंगे, लेकिन रातों-रात लॉजिस्टिक्स और मार्केटिंग स्ट्रैटेजी बदलना इतना आसान नहीं होता।

सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के कई और देश भी इस समय आंशिक प्रतिबंधों का सामना कर रहे हैं। इससे इंटरनेशनल मार्केट में पोल्ट्री ट्रेड का पूरा ढांचा ही हिल गया है। यह स्थिति हमें याद दिलाती है कि ग्लोबल ट्रेड कितना नाजुक है–एक छोटी सी बीमारी या हेल्थ अलर्ट पूरे बिजनेस को चौपट कर सकता है। अब गेंद भारत के पॉलिसी मेकर्स और एक्सपोर्टर्स के पाले में है। उन्हें न केवल अपने सेफ्टी स्टैंडर्ड्स सुधारने होंगे, बल्कि किसानों को इस आर्थिक झटके से उबारने के लिए ठोस कदम भी उठाने होंगे।

'स्टेट ऑफ द यूनियन' में ट्रंप पर चिल्लाई मुस्लिम सांसद इल्हान उमर, बोलीं-'आपने अमेरिकियों को मारा'

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'स्टेट ऑफ द यूनियन' संबोधन के दौरान डेमोक्रेटिक सांसद इल्हान उमर ने उन पर प्रवासियों के खिलाफ नफरत फैलाने और अमेरिकी नागरिकों की मौत का जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। सदन में तीखा हंगामा हुआ और कई बार कार्यवाही बाधित हुई। 'स्टेट ऑफ द यूनियन' भाषण के दौरान ट्रंप ने प्रवासियों पर सख्त रुख अपनाते हुए तीखे बयान दिए। जब उन्होंने मिनेसोटा के सोमाली समुदाय को लेकर टिप्पणी की, तो डेमोक्रेटिक सांसदों का धैर्य टूट गया। मिनेसोटा से सांसद इल्हान उमर और मिशिगन की सांसद राशिदा तालिब ने बीच में हस्तक्षेप किया।

इल्हान उमर ने ट्रंप पर आरोप लगाया कि उनकी नीतियों के कारण अमेरिकी नागरिकों की जान गई है। यह विरोध मिनेसोटा में इमिग्रेशन कार्रवाई के दौरान दो अमेरिकी नागरिकों की कथित मौतों के संदर्भ में था। भाषण की शुरुआत में ही टेक्सास के डेमोक्रेट सांसद अल ग्रीन को विरोध दर्ज कराने पर चैंबर से बाहर कर दिया गया। हालांकि, जैसे ही ट्रंप ने 'अवैध एलियंस' बनाम 'अमेरिकी नागरिकों' की सुरक्षा की बात कही, कई डेमोक्रेट सांसदों ने चुप्पी तोड़ दी।इस पर ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को 'पागल' बताया और उन पर चुनाव में धांधली के आरोप लगाए।

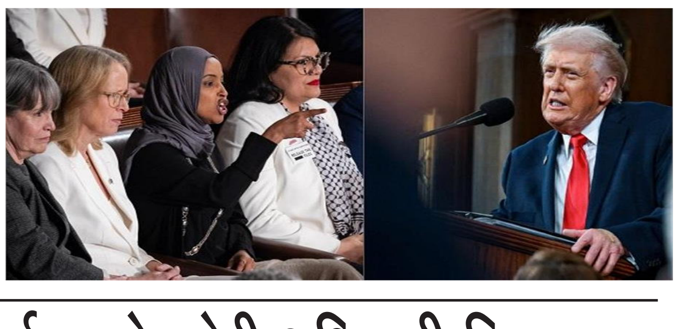

स्विगी और आईआरसीटीसी का बड़ा ऐलान, अब 152 स्टेशन पर मिलेगा 'फूड ऑन ट्रेन' का ऑप्शन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑनलाइन ऑर्डर पर खाद्य एवं पेय पदार्थ की आपूर्ति करने वाली क्विक कॉमर्स कंपनी स्विगी ने भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के साथ मिलकर अपनी 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा का विस्तार देशभर के 152 स्टेशन तक कर लिया है। कंपनी ने यह उपलब्धि एक साल में हासिल की है। यह सेवा एक वर्ष पहले 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी। स्विगी ने बृहस्पतिवार बताया कि यह विस्तार देशभर में विविध व्यंजनों की बढ़ती मांग से प्रेरित है।

बयान के अनुसार, कंपनी की योजना भारत के प्रमुख जंक्शन के साथ-साथ

क्षेत्रीय स्टेशन जैसे इटारसी (मध्य प्रदेश), तिरुनेलवेली (तमिलनाडु) और खड़गपुर (पश्चिम बंगाल) पर अधिक ध्यान देकर विविधता लाने पर भी है। स्विगी ने बताया कि उसकी 'फूड ऑन ट्रेन' सेवा का नेटवर्क विस्तार 117 प्रतिशत बढ़ा है। यह सेवा फरवरी, 2025 में 70 स्टेशन पर उपलब्ध थी जिसका फरवरी, 2026 तक 152 स्टेशन पर विस्तार किया गया। कंपनी ने 28 फरवरी से आठ मार्च तक यात्रियों के लिए होली से जुड़े विशेष भोजन उपलब्ध करने की भी घोषणा की।

साथ ही 'ट्रेन के अनुकूल' व्यंजनों के मेन्यू का विस्तार किया गया है जिसे तेज गति एवं सुविधा को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्विगी में खाद्य रणनीति, ग्राहक अनुभव एवं नई पहल के उपाध्यक्ष दीपक मालू ने कहा, " यह देशव्यापी विस्तार होली के त्योहार के मद्देनजर एकदम सही समय पर हुआ है। हम प्रमुख जंक्शन से लेकर इटारसी, तिरुनेलवेली और खड़गपुर जैसे क्षेत्रीय स्टेशन तक 'ट्रांजिट हब' (पारगमन केंद्र) पर जोर देकर विविधता पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

ट्रंपके सलाहकारों का 'वॉर प्लान': ईरान पर पहले इजरायल हमला करे, फिर अमेरिका आ जाएगा साथ!

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका-ईरान तनाव के बीच रिपोर्ट में दावा है कि डोनाल्ड ट्रंप के कुछ सलाहकार चाहते हैं कि इजरायल पहले ईरान पर हमला करे, फिर अमेरिका समर्थन दे। मार्क रूबियो और जे.डी. वेंस ने ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम पर कड़ा रुख दिखाया। रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन के भीतर कुछ सलाहकार मानते हैं कि अगर इजरायल पहले और अकेले ईरान पर हमला करे और जवाबी कार्रवाई में अमेरिका को निशाना बनाया जाए, तो अमेरिकी जनता सैन्य कार्रवाई के समर्थन में एकजुट हो सकती है। सूत्रों का दावा है कि अमेरिका और इजरायल संयुक्त सैन्य अभियान भी चला सकते हैं। हालांकि, अभी तक किसी आधिकारिक हमले की घोषणा नहीं हुई है।

अरब सागर में अमेरिकी नौसेना की उन्नत हथियारों के साथ तैनाती ने हालात को और संवेदनशील बना दिया है। इस बीच, परमाणु समझौते को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच दो दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्क रूबियो ने आरोप लगाया कि ईरान इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य की वार्ता में मिसाइल कार्यक्रम भी केंद्रीय मुद्दा होगा। वहीं, उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यदि बड़े पैमाने पर हमला या 'रेजीम चेंज' जैसी कार्रवाई हुई, तो ईरान पूरे क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बना सकता है। क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी संपत्तियां इजरायल की तरह आयरन डोम जैसी सुरक्षा प्रणाली के तहत नहीं हैं, जिससे अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर खतरे की आशंका जताई गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर संभावित जेनेवा वार्ता में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, प्रशासन का आधिकारिक रुख अभी भी कूटनीतिक समाधान पर जोर देता है लेकिन 'अन्य विकल्प' खुले रखने की बात भी कही गई है।

अमेरिका में एयरफोर्स का देशद्रोही अधिकारी गिरफ्तार चीन के सैन्य पायलटों को गुपचुप दे रहा था ट्रेनिंग

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका की वायुसेना के पूर्व अधिकारी गेराल्ड एडी ब्राउन जूनियर को चीनी सैन्य पायलटों को कथित रूप से अवैध प्रशिक्षण देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। उन्हें 'रनर' के नाम से भी जाना जाता है। उन पर बिना लाइसेंस रक्षा सेवाएं देने और साजिश रचने का आरोप है। यह मामला अमेरिकी कानून आर्म्स एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट और इंटरनेशनल ट्रैफिक इन आर्म्स रेगुलेशन (आईटीएआर) के उल्लंघन से जुड़ा है।

शिकायत के अनुसार, अगस्त 2023 से ब्राउन ने विदेशी नागरिकों और कुछ अमेरिकी व्यक्तियों के साथ मिलकर चीन की वायुसेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी एयर फ़ोर्स (पीएलएएएफ) के पायलटों को कॉम्बैट एयरक्राफ्ट ट्रेनिंग देने की योजना बनाई। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिसंबर 2023 में वे चीन गए और वहां पीआरसी सैन्य पायलटों को प्रशिक्षण दिया। फरवरी 2026 में वे अमेरिका लौटे। ब्राउन ने 24 साल से अधिक समय तक अमेरिकी एयरफोर्स में सेवा दी और 1996 में मेजर के पद से रिटायर हुए।

रिटायरमेंट के बाद वे कॉन्ट्रैक्ट सिमुलेटर इंस्ट्रक्टर के रूप में कार्यरत थे। ब्राउन की पहली पेशी 26 फरवरी को इंडियाना के साउदर्न डिस्ट्रिक्ट की अदालत में मजिस्ट्रेट जज के सामने होगी। इस मामले की जांच संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) और एयर फोर्स ऑफिस ऑफ स्पेशल इन्वेस्टिगेशंस संयुक्त रूप से कर रहे हैं।यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब अमेरिका और चीन के बीच सैन्य एवं रणनीतिक प्रतिस्पर्धा पहले से ही चरम पर है। यदि आरोप साबित होते हैं तो यह मामला अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और संवेदनशील सैन्य तकनीक की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर सकता है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 **Twitter:** https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 **Mobile No:** 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)